डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

शुभ धनतेरस

भोपाल, शुक्रवार, 06 नवंबर 2026 | कार्तिक कृष्ण पक्ष 12-13, 2083 | dopaharmetro epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 120 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भाजपा को सड़कों पर अपनी ताकत की नुमाइश करने की जरूरत क्यों?

सुशासन, संगठन की मजबूती और जनता की अपेक्षाएं...

राहुल गांधी के राजनीतिक विमर्श में उलझकर यदि भाजपा नेतृत्व अपने राज्यों के मूल मुद्दों को नजरअंदाज करता है तो यह कांग्रेस के लिए राजनीतिक लाभ की स्थिति होगी। एसआईआर जैसे मुद्दों पर न्यायिक प्रक्रिया जारी है और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग का मामला संसद के अधिकार क्षेत्र में है। लेकिन भाजपा यदि कांग्रेस की कमजोरियों पर ही नजर गड़ाए रखेगी तो अपनी कमियों को कौन दूर करेगा? भाजपा ने अपने मतदाताओं का जो भरोसा और संगठनात्मक पूंजी वर्षों की मेहनत से अर्जित की है, उसे बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। विपक्ष से मुकाबला सड़क पर शक्ति प्रदर्शन से नहीं, बल्कि सुशासन, संगठन की मजबूती और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने से होगा। गेंद अब मोदी-शाह के पाले में है और संघ के सामने भी संगठन की दिशा को लेकर सवाल है। देखना यह है कि भाजपा नेतृत्व राहुल गांधी के राजनीतिक एजेंडे के पीछे चलना पसंद करता है या अपनी सरकारों और संगठन की चुनौतियों से दो-दो हाथ करने का रास्ता चुनता है।



प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

इंडी गठबंधन की रैली के बाद भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' आंदोलन को देशव्यापी मुहिम में बदलने का अब क्या औचित्य रह गया है? दिल्ली के रामलीला मैदान में दस लाख की भीड़ जुटाने का दावा ही यदि फुस्स हो गया तो विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का दंभ भरने वाली भाजपा को सड़कों पर अपनी ताकत की नुमाइश करने की जरूरत क्यों है? वह भी दीपावली के मौके पर, जबकि राहुल गांधी से व्यापारी संगठन उनकी रैली को टालने की गुजारिश कर रहे थे।

जब कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का आंदोलन अपेक्षित जनसमर्थन हासिल नहीं कर सका तो फिर किस अराजकता के खिलाफ भाजपा सड़क पर उतर रही है? उसे तो जनता का शुक्रिया अदा करना चाहिए कि वह इंडी गठबंधन के कथित झांसे में नहीं आई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति उसका भरोसा कायम है। फिर जनता के सामने अपनी ताकत साबित करने की जरूरत क्यों? इस पूरे घटनाक्रम से यह सवाल जरूर उठता है कि कहीं भाजपा का शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी की राजनीतिक चुनौती को जरूरत से ज्यादा तवज्जो तो नहीं दे रहा? दस लाख की भीड़ जुटाने का दावा यदि सफल नहीं हुआ तो भाजपा को क्या करना चाहिए, इसके लिए उसे मेरी बिन मांगी सलाह की जरूरत कतई नहीं है। हां, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों में भाजपा के सड़क पर उतरने का औचित्य समझ में आ सकता है, क्योंकि वहां वह विपक्ष में है। लेकिन जिन राज्यों में उसकी अपनी सरकारें हैं, वहां उसे आंदोलन की राजनीति से ज्यादा शासन और संगठन की समीक्षा करनी चाहिए।

सबसे बड़ा सवाल उत्तर प्रदेश को लेकर है, जहां भाजपा लगभग एक दशक से सत्ता में है। वहां योगी सरकार को लेकर बनता राजनीतिक नैरेटिव पार्टी के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। मथुरा, आगरा और लखनऊ ही नहीं, प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी स्थानीय राजनीतिक और संगठनात्मक संकेतों की पड़ताल जरूरी है। वाराणसी में भाजपा की एमएलसी चुनावों में हार को महज संयोग मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह कार्यकर्ताओं और प्रतिबद्ध मतदाताओं के बीच असंतोष के संकेतों की जांच करने का अवसर है। यह इसलिए भी अहम है कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव निकट हैं।

मध्य प्रदेश में जनता ही नहीं, पार्टी कार्यकर्ताओं के भीतर भी असंतोष की चर्चाएं हैं। क्या भाजपा नेतृत्व इसे केवल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनके मंत्रिमंडल के बीच अंतर्विरोध मानकर नजरअंदाज कर रहा है? छत्तीसगढ़ में सत्ता के वास्तविक संतुलन को लेकर भी सवाल उठते हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार में फैसलों की निर्णायक भूमिका किसकी है? क्या ओपी चौधरी प्रभावशाली भूमिका में हैं या पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह का राजनीतिक प्रभाव अब भी सत्ता के फैसलों में दिखाई देता है? इन सवालों का जवाब राजनीतिक अटकलों से नहीं, शासन की पारदर्शिता और जवाबदेही से मिलना चाहिए। बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की कार्यशैली जनसेवक की है या सम्राट की? उनकी भूमिका की कसौटी पर भी जनता की निगाह रहेगी। राजस्थान में भजनलाल शर्मा सरकार के कामकाज और उसके राजनीतिक प्रभाव का आकलन भी जरूरी है। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस और उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी की सरकारों के सामने भी अपनी उपलब्धियों को जमीन पर साबित करने की चुनौती है।

पंजाब का मामला भाजपा के लिए अलग महत्व रखता है। वहां उसका राजनीतिक आधार अभी सीमित है और आम आदमी पार्टी तथा कांग्रेस के बीच अपनी जगह मजबूत करना बड़ी चुनौती है। राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी सीमावर्ती पंजाब में मजबूत राजनीतिक उपस्थिति भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है। अकाली दल के साथ या उसके बिना, उसे अपना जनाधार विस्तार देना होगा। सवाल केवल भाजपा शासित राज्यों की घोषणाओं और उपलब्धियों का नहीं, बल्कि उनकी जमीनी हकीकत का है। जनता और पार्टी के प्रतिबद्ध मतदाताओं की अपेक्षाओं पर ये सरकारें कितना खरा उतर रही हैं, इसकी समीक्षा कौन करेगा?

न्यूज विंडो

ओडिशा में लैंडस्लाइड से 7 की मौत, 6 लापता, यूपी में कोहरा

नई दिल्ली/लखनऊ। ओडिशा के गंजाम जिले के पहाड़ी गांव में गुरुवार को लैंडस्लाइड के बाद 5 और शव मिले। इसके साथ ही मरने वालों की संख्या 7 हो गई है। हादसे के बाद से 6 लोग अब भी लापता हैं। ये लोग 28 अक्टूबर को आए चक्रवात अर्नब के बाद हुए लैंडस्लाइड में दब गए थे। इधर यूपी में ठंड बढ़ने लगी है। आज लखनऊ, बाराबंकी, महराजगंज, श्रावस्ती और संभल समेत 20 शहरों में कोहरा छाया रहा। मिर्जापुर में कोहरे के चलते 5 ट्रेनें अगले 3 महीने के लिए कैंसिल कर दी गई।



तमिलनाडु: वैन और बस की टक्कर 3 महिलाओं की गई जान

ह्यह्यतमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले में आज कर्मचारियों से भरी टूरिस्ट वैन पलटकर सामने से आ रही सरकारी बस से टकरा गई। हादसे में 3 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 20 घायल हो गई। पुलिस के मुताबिक, वैन में सवार कर्मचारी महाबलीपुरम से केलंबक्कम की एक कंपनी में काम करने जा रहे थे। इसी दौरान अचानक एक गाय सड़क पर आ गई। उसे बचाने की कोशिश में ड्राइवर ने गाड़ी से नियंत्रण खो दिया। बस तिरुपोरूर से महाबलीपुरम की ओर जा रही थी। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां 20 महिलाओं का इलाज जारी है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

6 जिलों में 7 पंचायत सीटों पर उपचुनाव का एलान, 4 को वोटिंग

भोपाल। प्रदेश के खंडवा, खरगोन, उज्जैन, डिंडौरी, ग्वालियर और धार जिलों में पंचायत के 7 पदों पर उपचुनाव 4 दिसंबर को होगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने जिला पंचायत के एक, जनपद पंचायत के एक और सरपंच के 5 पदों के लिए निर्वाचन कार्यक्रम घोषित किया है। 20 नवंबर को संवीक्षा होगी और 23 नवंबर तक अभ्यर्थी नाम वापस ले सकेंगे। इसी दिन चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। जरूरत पड़ने पर चार दिसंबर को सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा। तीनों श्रेणियों के पदों की मतगणना विकासखंड मुख्यालय पर 8 दिसंबर को सुबह 8 बजे से ईवीएम के माध्यम से होगी।

आज का कार्टून



धनतेरस का डबल धमाका... शेयर बाजार चमका, पीली धातु ने लुभाया

8 महीने बाद सेंसेक्स 80 हजारी सोने की कीमतों में नरमी

मुंबई, एजेंसी

दुनियाभर के बाजारों में गिरावट के बीच आज सेंसेक्स 700 अंक चढ़कर 80,000 के पार पहुंच गया। 8 महीने बाद सेंसेक्स ने यह आंकड़ा छुआ है। वहीं निफ्टी में आज 150 अंक की तेजी देखी गई। हालांकि कुछ देर बाद बाजार में ऊपरी स्तरों पर थोड़ी बिकवाली आई और सेंसेक्स 400 अंक की तेजी के साथ 79,700 के स्तर पहुँच गया। गुरुवार को बाजार में साल की दूसरी बड़ी बढ़त रही थी। सेंसेक्स 2009 अंक चढ़कर 79310 पर बंद हुआ था।

विदेशी निवेशकों के लगातार पैसे लगाने, आईटी सेक्टर में तेजी और मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था के चलते भारतीय शेयर बाजार पर ग्लोबल गिरावट का असर बहुत कम पड़ा है। विदेशी निवेशकों ने पिछले 7 दिनों में 32,210 करोड़ का बड़ा निवेश किया है, जिससे घरेलू शेयर बाजार को जबरदस्त सपोर्ट मिला है। इसके अलावा सितंबर तिमाही के मजबूत नतीजों से सेंटिमेंट सुधरा है। रिलायंस, इंफोसिस और टीसीएस जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी आई है। सेंसेक्स के टॉप 30 में शामिल कंपनियों के शेयरों में बढ़त से ही सेंसेक्स बढ़ता है। गुरुवार को इनमें से ज्यादातर कंपनियों के शेयरों में उछाल आया था।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के डॉ. वीके विजयकुमार का कहना है कि बेहतर नतीजों और सस्ते क्रूड ऑयल के साथ रूश्ष्टत टैक्स में बदलाव की संभावना ने विदेशी निवेशकों का नजरिया बदल दिया है। ग्लोबल ब्रोकरेज नोमुरा ने भी इसे विदेशी निवेशकों की वापसी की वजह माना। विजयकुमार को उम्मीद है कि अभी बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के दिग्गज शेयरों में और तेजी दिख सकती है। हालांकि यह चेतावनी भी दी गई है कि जैसे ही बाजार ऊपर जाएगा, घरेलू निवेशक मुनाफावसूली के लिए शेयर बेच सकते हैं। इससे ऊपरी स्तरों पर बिकवाली आ सकती है।

दुनियाभर में गिरावट के बीच भारतीय बाजार का बेहतर प्रदर्शन



सोना पीक से 20 फीसदी तक टूटा, आगे दामों में आएगी तेजी

नई दिल्ली। धनतेरस के मौके पर सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। एमसीएक्स गोल्ड फ्यूचर 2428 रुपये प्रति 10 ग्राम टूटकर 1,41,667 रुपये पर आ गया। सिल्वर फ्यूचर की बात करें तो चांदी की कीमत 3100 रुपये टूटकर 1,84,050 रुपये प्रति किलो पर आ चुकी है। जनवरी 2026 में सोना अपने ऑल टाइम हाई पर था। 10 ग्राम सोना 1.80 लाख रुपए का। 9 महीने बाद अब धनतेरस पर यह 1.44 लाख रुपए पर आ गया है, यानी करीब 20 फीसदी की गिरावट। इंवेस्टमेंट एडवाइजरी फर्म केडिया एडवाइजरी के फाउंडर अजय केडिया बताते हैं कि 2026 की शुरुआत में जब सोना ऑल टाइम हाई पर पहुंचा, तो रिटेल ट्रेडर्स ने उधार लेकर सोने में निवेश किया। जब भी किसी एसेट में जरूरत से ज्यादा खरीदारी होती है और उसका बड़ा हिस्सा उधार पर टिका होता है, तब कीमत गिरती है। इस कारण अक्टूबर में सोना 1.80 लाख से 1.40 लाख रुपए से नीचे आ गया।

डिजिटल निवेश का ऑफर, अब डीमैट खाते में रखा जा सकेगा सोना

धनतेरस पर सोना खरीदने की परंपरा को अब डिजिटल निवेश का नया विकल्प मिल गया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने निवेशकों को इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट (EGR) के माध्यम से सोने का स्वामित्व हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस व्यवस्था में निवेशक वास्तविक सोने के मालिक होंगे, लेकिन उन्हें इसे अपने घर या बैंक लॉकर में रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस प्लेटफॉर्म के तहत प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट वास्तविक सोने का प्रतिनिधित्व करती है। यह सोना सेबी-पंजीकृत वॉल्ट में सुरक्षित रखा जाता है और निवेशक के डीमैट खाते में शेयरों की तरह दर्ज होता है। निवेशक पंजीकृत ब्रोकर के माध्यम से इसकी खरीद-बिक्री कर सकते हैं। निर्धारित प्रक्रिया के तहत चाहें तो इसे वास्तविक सोने में भी बदलवा सकते हैं। इसकी खासियत यह है कि निवेशक 10 मिलीग्राम से लेकर एक किलोग्राम तक की विभिन्न इकाइयों में सोना खरीद सकते हैं। इसमें 995 और 999 शुद्धता वाले सोने का विकल्प उपलब्ध है। इसका सेटलमेंट टी+1 व्यवस्था के तहत होगा। भारत सोने की घरेलू मांग पूरी करने के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है, जबकि देश के घरों में भारी मात्रा में सोना निष्क्रिय पड़ा है। एनएसई अधिकृत संग्रह केंद्रों और घर से सोना लेने की प्रस्तावित सुविधा पर भी काम कर रहा है। सोने की जांच, वजन और शुद्धता के आकलन के बाद उसके बराबर ईजीआर निवेशक के डीमैट खाते में जमा होंगे।

राष्ट्रपति से बना रहे दूरी

मस्क ने ट्रम्प की पार्टी के समर्थन वाले पोस्ट हटाए



वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अरबपति इलॉन मस्क ने अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के समर्थन में किए गए सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को इन चुनावों में हार का सामना करना पड़ा है।

मस्क ने चुनाव के दौरान रिपब्लिकन उम्मीदवारों के प्रचार पर कम से कम 458 मिलियन डॉलर यानी करीब 4400 करोड़ रुपए खर्च किए थे। चुनाव में पार्टी को मिली हार के बाद मस्क की संपत्ति में भी बड़ी गिरावट आई है। फाइनेंशियल टाइम्स के अनुमान के मुताबिक, उनकी नेटवर्थ करीब 2.8 लाख करोड़ रुपए घट गई है।

जबलपुर: सराफा कारोबारी से 7 लाख का सोना लूटा

जबलपुर, एजेंसी

धनतेरस पर आज सीहोरा में सराफा व्यापारी के यहां बदमाशों ने सात लाख रुपए का सोना लूट लिया। सराफा कारोबारी विकास सोनी का कहना है कि वे रोज की तरह बरगी स्थित घर से गौराहा में अपनी दुकान खोलने के लिए जा रहे थे। इसी बीच कार सवार बदमाश पहुंचे और रास्ते में ही उन्हें रोक लिया। उन्होंने तलवार की नोंक पर सोनी को लिया और धमकाकर जेवर लूट ले गए। कारोबारी सोनी ने सीहोरा पुलिस में शिकायत की है। पुलिस का कहना है कि कार की पहचान कर ली गई है। वे सफेद रंग की कार में आए थे। जल्द ही आरोपी पकड़े जाएंगे।

बंगलूरू हत्याकांड.... आरोपी हिरासत में

कैब ड्राइवर ने सिलबट्टे से की पत्नी समेत 7 लोगों की हत्या

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के बेंगलुरु में घरेलू विवाद के चलते एक कैब ड्राइवर ने अपनी पत्नी समेत उसके परिवार के 7 लोगों की हत्या कर दी। मृतकों में 7 साल का बच्चा भी शामिल है। आरोपी की पहचान शेखर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक शेखर की शादी करीब 20 साल पहले सुनीता से हुई थी। दोनों के बीच सुनीता के मायके जाने को लेकर अक्सर विवाद होता था। जिसमें सुनीता की मां और भाई भी उसका साथ देते थे। इसी बात से नाराज होकर शेखर ने पूरे परिवार को खत्म करने की साजिश रची।

आरोप है कि शेखर ने पहले अपनी पत्नी सुनीता की घर में सिलबट्टे से



हत्या की और शव को कपड़े में लपेटकर नंदी हिल्स के पास फेंक दिया। इसके बाद उसने सुनीता का मोबाइल बंद कर दिया और पड़ोसियों को बताया कि वह घूमने गई है।

अगले दिन उसने अपने दो सालों शिवकुमार और शंकर को पार्टी के बहाने घर बुलाया और उनकी हत्या कर दी। इसके बाद दोनों की पत्नियों दिव्या और नलिनी, अपनी सास रूपवती और शिवकुमार के 7 साल के बेटे पुनीत को भी मार डाला।

संकट में उमर सरकार...

नाराज विधायकों की फारूक अब्दुल्ला के घर मीटिंग

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सीएम उमर अब्दुल्ला की सरकार गिर सकती है। पार्टी के 25 नाराज विधायकों ने उमर और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को मांगें पूरी करने का अल्टीमेटम दिया है। इसी को लेकर कुछ विधायक आज श्रीनगर में फारूक अब्दुल्ला के घर पहुंचे है। वे यहां उमर और फारूक के साथ बैठक कर रहे हैं। इसमें थानामंडी के विधायक मुजफ्फर खान समेत निर्दलीय विधायक शामिल नहीं हैं। मांगें पूरी नहीं होने पर सभी 25 विधायक आज ही इस्तीफा दे सकते हैं। विधायकों की प्रमुख मांगों में सीएम के सलाहकार को हटाना, डिप्टी चौधरी से सड़क निर्माण विभाग वापस लेना और सरकार के लोगों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कराना शामिल है।

लखनऊ की घटना ने सभी को सकते में डाला

13 साल का बच्चा स्कूल में अचानक गिरा, कार्डियक अरेस्ट से गई जान!

लखनऊ, एजेंसी

जानकीपुरम इलाके में सुबह स्कूल में आठवीं कक्षा के 13 वर्षीय छात्र अथर्व उर्फ डुग्गू की अचानक गिरने से मौत हो गई। डॉक्टरों ने शुरुआती तौर पर मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट होने की आशंका जताई है। अथर्व अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। इस घटना से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, कपड़ा कारोबारी प्रेम सिंह रोज की तरह सुबह अपने बेटे अथर्व को स्कूल छोड़कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान स्कूल से फोन आया कि अथर्व अचानक कक्षा में गिर पड़ा है। स्कूल प्रिंसिपल मीना तंगरी के मुताबिक, क्लास में पहुंचते ही अथर्व अचानक पीछे की ओर फर्श



पर गिर गया। उस समय उसके कंधे पर स्कूल बैग भी टंगा हुआ था। शिक्षकों ने तत्काल उसे संभाला और स्टाफ रूम में ले गए। शरीर में कोई हलचल नहीं होने पर स्कूल प्रबंधन ने उसके पिता को सूचना दी। पिता तत्काल स्कूल पहुंचे और शिक्षकों की मदद से बेटे को नजदीकी अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, डॉक्टरों ने कार्डियक अरेस्ट की आशंका जताई है।

न्यूज विंडो

निवाड़ी विधायक के सरकारी बंगले से टीवी और मेवा चुरा ले गए चोर

भोपाल। राजधानी के पॉश इलाके प्रोफेसर कॉलोनी में चोरों ने भाजपा विधायक के सरकारी आवास की खिड़की में लगा सरिया काटकर बंगले के अंदर दाखिल हुए और एलईडी टीवी समेत मेवा चोरी कर ले गए। वारदात के समय आवास सूना था। दोपहर में देखरेख करने पहुंचे कर्मचारी कालीचरण को खिड़की का सरिया कटा मिला, जिसके बाद चोरी का खुलासा हुआ। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने केस दर्ज किया। श्यामला हिल्स पुलिस के अनुसार, निवाड़ी के भाजपा विधायक का प्रोफेसर कॉलोनी में सरकारी आवास है। बंगले की देखरेख करने 73 वर्षीय कालीचरण अहिरवार आते-जाते हैं। मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात बदमाशों ने बंगले के अंदर प्रवेश किया। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। बंगले में नहीं सीसीटीवी जांच में सामने आया कि बंगले में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। यहां पर्याप्त रोशनी भी नहीं है।

दहेज प्रताड़ना में पत्नी ने लगाया था फंदा, पति को एक साल की सजा

भोपाल। दहेज की मांग को लेकर विवाहिता कविता शर्मा को प्रताड़ित करने के मामले के आरोपी पति दीपक शर्मा पिता विजय प्रकाश शर्मा (36) को एक साल की सजा सुनाई गई है। वेदवती कॉलोनी बीडीए रोड अवधपुरी भोपाल मप्र को ओडब्ल्यू की विशेष न्यायाधीश ने दोषी करार दिया। सजा के अलावा 5,000 रुपए का जुर्माना लगाया है। शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ने पैरवी की। विवाहिता ने वर्ष 2020 को फांसी लगा ली थी।

गौतम नगर में दो सूने मकानों से जेवरान और नकदी ले गए चोर

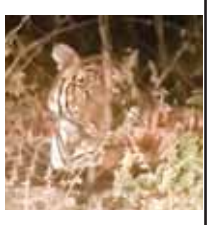
भोपाल। गौतम नगर थाना क्षेत्र में सूने मकान चोरों के निशाने पर हैं। चोरों ने अलग-अलग स्थानों पर दो घरों के ताले तोड़कर नकदी, जेवरात और घरेलू सामान चोरी कर लिया। पीजीबीटी के पास रहने वाली बिजली कंपनी की आउटसोर्स कर्मचारी के घर से 50 हजार रुपए नगद और सोने-चांदी के आभूषण गायब मिले। वहीं, अयूब नगर में बदमाश एक अन्य मकान से जेवरात के साथ बर्तन और गैस टंकी भी ले गए। दोनों घटनाओं में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सहपाठी को धमकाकर नाबालिग ने किया रेप, वीडियो वायरल, गिरफ्तार

भोपाल। जिले के देहात क्षेत्र में 11वीं की छात्रा के साथ उसके ही सहपाठी द्वारा दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर नाबालिग आरोपी को हिरासत में लिया है। थाना पुलिस के मुताबिक, 15 वर्षीय किशोरी 11वीं कक्षा में पढ़ती है। करीब एक साल पहले स्कूल में साथ पढ़ने वाले नाबालिग छात्र ने उसे धमकाया और उसके साथ दुष्कर्म किया था। आरोपी ने अशील वीडियो बनाया। आरोप है वह किशोरी को डराकर 1 साल तक शोषण करता रहा।

कोलार में अपने भ्रमण क्षेत्र में सैर पर निकला बाघ, पुलिस ने बनाया वीडियो

भोपाल। राजधानी के अमरनाथ रोड से जागरण लेक सिटी जाने वाले रास्ते पर कल देर रात टाइगर का मूवमेंट देखा गया है। कोलार थाना पुलिस की डायल-112 टीम को यह टाइगर दिखाई दिया। इसका वीडियो भी सामने आया है। 16 सेकंड के इस वीडियो में टाइगर सड़क किनारे जाली के पार बैठा नजर आ रहा है। यह इलाका बाघों का ही भ्रमण क्षेत्र में आता है। यहां पहले से कई बाघों की मौजूदगी है। ऐसे में वन विभाग ने इस रास्ते से गुजरने वाले लोगों को अलर्ट किया है। वीडियो गुरुवार रात का बताया जा रहा है।





खुला कुबेर का खजाना: सुबह से ही बाजार गुलजार, कारोबारियों को पिछले साल से 20 फीसदी ज्यादा बिक्री की आस

बाजार रोशन, आज 1000 करोड़ की धनवर्षा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

धनतेरस और दीपावली को लेकर राजधानी के बाजारों की रौनक देखते ही बन रही है। सराफा बाजार से लेकर बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और सजावटी सामान की दुकानों तक ग्राहकों की आवाजाही तेज हो गई है। सोना-चांदी की कीमतों में नरमी और त्योहारी ऑफर्स ने खरीदारी का उत्साह बढ़ाया है। लोगों ने सिर्फ धनतेरस के दिन खरीदारी के बजाय पहले से पसंदीदा सामान की बुकिंग कर रखी है, ताकि शुभ मुहूर्त में डिलीवरी ले सकें। धनतेरस पर आज सुबह से ही बाजारों में लोग खरीदारी के लिए पहुंचे। पसंदीदा सामानों की खरीदारी की। विशेषज्ञों के अनुमान है कि धनतेरस से दीपावली तक राजधानी में करीब 1,000 करोड़ रुपए की धनवर्षा होगी। अनुमान यह भी है कि पिछले साल से इस बार 20 फीसदी अधिक कारोबार होगा। सराफा, ऑटोमोबाइल, कपड़ा और पटाखा बाजार में सबसे ज्यादा रौनक है। महंगे सामान की खरीदारी के लिए ग्राहक पहले से बुकिंग कर रहे हैं। कारों और दोपहिया वाहनों से लेकर मोबाइल, टीवी और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स तक की एडवांस बुकिंग से व्यापारियों की उम्मीद बढ़ी है। ग्राहकों को लुभाने के लिए कंपनियां भी छूट, कैशबैक, एक्सचेंज और मुफ्त उपहारों की बौछार भी की हैं।



पीतल के दीपक-कलश की ज्यादा डिमांड

धनतेरस पर पारंपरिक बर्तनों की खरीदारी बाजार को रफ्तार दे रही है। पीतल के दीपक, कलश, लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं, तांबे के लोटे, पूजा सामग्री की मांग बढ़ रही है। लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों, दीये, पूजन सामग्री, इलेक्ट्रिक झालरों और लाइटिंग की मांग जोरों पर है।

बर्तनों की खनक बढ़ी, सराफा रोशन ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी बूम

कारोबार में ऑटोमोबाइल सेक्टर आगे है। कार और दोपहिया वाहनों की बिक्री से करीब 300 करोड़ रुपए का कारोबार होने की उम्मीद है। वहीं सराफा बाजार में 250 करोड़ के कारोबार का अनुमान है। सोने-चांदी की सिक्कों, हल्के वजन के आभूषणों और पारंपरिक ज्वैलरी की मांग बनी हुई है। रियल एस्टेट सेक्टर में भी धनतेरस को लेकर उत्साह है। मकान, फ्लैट, प्लॉट की बुकिंग से करीब 150 करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान है। कपड़ा बाजार में करीब 100 करोड़ रुपए की बिक्री का अनुमान है। पटाखा बाजार में भी 100 करोड़ रुपए का कारोबार होने की उम्मीद है। इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में 75 करोड़ व बर्तन बाजार में 70 करोड़ रुपए की बिक्री का अनुमान है। मिठाई कारोबार में 35 करोड़ और ड्राई फ्रूट्स में 25 करोड़ रुपए की बिक्री का अनुमान है। फर्नीचर बाजार में 30 करोड़ तो सजावटी सामान में 25 व पूजा सामग्री में 10 करोड़ रुपए के कारोबार की आस है।

हुजूर तहसील कार्यालय में 16 नवंबर से सुनवाई होगी

16 नवंबर से मास्टर प्लान पर 13 हजार आपत्तियों की अग्निपरीक्षा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट पर दर्ज आपत्तियों और सुझावों की सुनवाई 16 नवंबर से शुरू होगी। इसके लिए हुजूर तहसील कार्यालय को केंद्र बनाया गया है। ड्राफ्ट पर नगर तथा ग्राम निवेश (टीएनसीपी) कार्यालय को एक महीने के दौरान ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से 16 हजार से अधिक आपत्तियां मिली हैं। इनमें एक ही व्यक्ति द्वारा ऑनलाइन और ऑफलाइन आपत्ति दर्ज कराने के मामले भी सामने आए। जांच के बाद सुनवाई के लिए करीब 13 हजार आपत्तियां अंतिम रूप से तय की गई हैं। अब इन पर सुनवाई का चार्ट तैयार हो रहा है। संबंधित आवेदकों को बुलाकर आपत्तियां और सुझाव सुने जाएंगे। प्रक्रिया पूरी होने पर प्रस्ताव को अंतिम रूप देकर शासन को भेजा जाएगा।

किसानों की नजर अब लैंड यूज में बदलाव पर रहेगी

सबसे ज्यादा आपत्तियां कृषि भूमि के लैंड यूज में बदलाव को लेकर आई हैं। किसानों की मांग है कि उनकी कृषि भूमि का उपयोग खेती के लिए ही निर्धारित रहे और इसमें बदलाव न करें। खासतौर पर बड़ा तालाब के आसपास की कृषि भूमि के भू-उपयोग में बदलाव के प्रस्ताव को लेकर किसानों में नाराजगी है। उनका कहना है कि इससे जमीन के भविष्य और खेती पर असर पड़ सकता है। अब सुनवाई में इन आपत्तियों पर प्रशासन का रुख महत्वपूर्ण होगा।

24 घंटे में 46 लाख की ठगी, किसी को शेयर में मुनाफे का लालच तो किसी से बिजली कनेक्शन के नाम पर ठगा

भोपाल। शहर में पिछले 24 घंटे में पांच लोगों से करीब 46 लाख रुपए की ठगी कर ली है। ठगों ने किसी को शेयर बाजार में मुनाफे का लालच दिया तो कहीं बिजली कनेक्शन के नाम पर रुपए ऐंठ लिए। पुलिस ने सभी मामलों में केस दर्ज किया है।

शेयर बाजार में निवेश कर कम समय में मोटा मुनाफा कमाने के लालच में करौंद के शांति नगर निवासी रियल एस्टेट कारोबारी लोकेंद्र साहू 37 लाख 35 हजार रुपए गंवा बैठे। साइबर ठगों ने पहले पांच हजार रुपए निवेश कराकर मुनाफा दिया, फिर फर्जी ट्रेडिंग ऐप पर लाखों रुपए जमा कराते रहे। आरोपियों ने इंटरनेट मीडिया पर शेयर बाजार में निवेश से जुड़ा पेज दिखाकर कारोबारी से संपर्क किया था। इसके बाद उन्हें एक ग्रुप में जोड़कर फर्जी ट्रेडिंग एप पर आईडी बनवाई। शुरुआत में 5 हजार रुपए निवेश कराए। दो दिन में निवेश की रकम 40 हजार रुपए पहुंचने पर 11 हजार रुपए का मुनाफा भी दिया। खाते में मुनाफे की रकम आने से कारोबारी को भरोसा होने पर और उन्होंने बड़ी रकम लगाना शुरू कर दिया। कारोबारी ने 10-10 लाख रुपए की किस्तों में 20 लाख रुपए जमा किए। ठगों ने ज्यादा मुनाफे का लालच देकर 15 लाख रुपए और जमा करा लिए। इस निवेश के लिए कारोबारी ने दोस्त से 15 लाख रुपए उधार लिए थे। रकम निकालने पर 40 लाख रुपए और मांगने पर उन्हें ठगी का एहसास हुआ। निशातपुरा पुलिस ने केस दर्ज किया।

यूके में नौकरी दिलाने के नाम पर 5 लाख ठगे

विदेश में नौकरी और यूके का स्किल्ड वर्कर वीजा दिलाने का झांसा देकर शाहजहांनाबाद की रूही सिद्दीकी से पांच लाख रुपए की धोखाधड़ी हो गई। रूही ने चंडीगढ़ की अहम्बल ओवरसीज कंसल्टेंसी में नौकरी के लिए आवेदन किया था। वहां जसलीन कौर से ने यूके में शेफ और स्टोर मैनेजर के पद पर नौकरी व वीजा दिलाने की बात कही। 5 लाख रुपए जमा कराए। न नौकरी मिली और न ही वीजा।

यहां इनसे ठगी

मिसरोद में ल्यूपिन कंपनी के कर्मचारी रमेश गौतम के बैंक खाते से 99 हजार रुपए निकाल लिए। वे मोबाइल घर पर छोड़ गए थे। शाम को लौटे तो बैंक खाते से अलग-अलग किस्तों में रकम कटने के मैसेज मिले।

बागसेवनिया में बिजली मीटर का कंज्यूमर नंबर अपडेट करने के नाम पर बुजुर्ग से 1.12 लाख की ठगी की। आरोपी ने एमपीईबी का अफसर बताकर फोन किया। नंबर अपडेट करने के लिए 12 रुपए ऑनलाइन जमा कराए। फिर एपीके फाइल डाउनलोड करा 99,350 व पत्नी के खाते से 13,170 रुपए निकाल लिए।

बजरिया में साइबर ठगों ने बुजुर्ग को पेंशन का लाइफ सर्टिफिकेट अपडेट कराने का झांसा देकर 1.49 लाख रुपए की चपत लगा दी।

लगातार जाम के बाद भी ट्रैफिक सुधारने के ठोस उपाय नहीं

शहर में जाम का जंजाल, सुबह से रात तक रेंग रहे वाहन



भोपाल। दोपहर मेट्रो

त्योहारों के सीजन में राजधानी की यातायात व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी नजर आ रही है। शहरवासियों को सुबह से देर रात तक जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। प्रमुख बाजारों, चौराहों और व्यस्त सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं। हालात ऐसे हैं कि कुछ किलोमीटर का सफर तय करने में आधे घंटे से अधिक समय लग रहा है। न्यू मार्केट, रोशनपुरा, पुलिस कंट्रोल रूम, एमवीएम ग्राउंड, दस नंबर मार्केट, एमपी नगर, नर्मदापुरम रोड, बागसेवनिया थाना तिराहा, आशिमा मॉल, चिनार सिटी, मिसरोद तिराहा, पिपलानी, इंद्रपुरी और अयोध्या बायपास पर सबसे ज्यादा जाम लग रहा है। शाम होते ही इन मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है और यातायात रेंगने लगता है।

नर्मदापुरम रोड पर पांच घंटे तक परेशानी

नर्मदापुरम रोड पर शाम 5 से रात 10 बजे तक जाम की स्थिति बनी रहती है। त्योहारों की खरीदारी के लिए बाजारों में उमड़ रही भीड़ और अव्यवस्थित पार्किंग ने परेशानी बढ़ा दी है। लगातार शिकायतों के बाद भी ट्रैफिक पुलिस की प्रभावी व्यवस्था नजर नहीं आ रही। न पर्याप्त पुलिस बल तैनात है और न पार्किंग नियंत्रण व डायवर्जन के पुख्ता इंतजाम। सवाल है कि रोज जाम वाले मार्गों पर पहले से व्यवस्था क्यों नहीं की जाती। समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए तो त्योहारों में लोगों की मुश्किलें और बढ़ेंगी।

राकेश अग्रवाल हत्याकांड: अस्पताल से डिस्चार्ज आरोपी को मौके पर ले गई पुलिस

क्राइम रीक्रिएट....केयरटेकर ने रिटायर्ड आईएएस का मुंह दबाया और ब्लेड से गला रेतकर कर दी हत्या

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रिटायर्ड आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल हत्या में शॉर्ट एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार केयरटेकर वरुण कुमार को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। पुलिस उसे लेकर कल देर रात अग्रवाल के बंगले (क्राइम सीन) पर ले गई। हत्या का पूरा सीन रीक्रिएट कराया। आरोपी ने बताया कि किस तरह तकिए से मुंह दबाकर हत्या की और फिर सर्जिकल ब्लेड से उनके गले पर वार किए। इसके बाद घर से मोबाइल, नकदी और जेवर लूटने तथा साक्ष्य मिटाने के लिए गैस सिलेंडरों से विस्फोट कराने की कोशिश का तरीका भी करके दिखाया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल सर्जिकल ब्लेड जब्त की है।



डांट के बाद हमले का तरीका आजमा कर दिखाया

क्राइम सीन रिक्रिएशन के दौरान आरोपी ने बताया कि वह अग्रवाल के पैर दबा रहा था। इसी दौरान किसी बात पर अग्रवाल ने उसे डांट दिया था। इससे नाराज होकर उसने गला दबाया और सीने पर बैठकर तकिए से मुंह दबा दिया। बाद में उसने सर्जिकल ब्लेड से गले में वार किए। मोबाइल, नकदी व जेवर लेकर चला गया। फिर दोबारा बंगले में लौटकर दोनों गैस सिलेंडरों की गैस खोल दी।

आधा दर्जन स्थलों पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने लिए सैंपल

रिसॉर्ट में 15 किलो खराब मीट और एक्सपायर्ड कोल्ड ड्रिंक्स फिंकवाई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दीवाली को देखते हुए नगर निगम के मोबाइल कोर्ट ने लालघाटी स्थित जीवाना रिसॉर्ट में कार्रवाई की। मजिस्ट्रेट तरुणेंद्र प्रताप सिंह ने रिसॉर्ट के किचन में खाने को देखा। यहां 15 किलो मीट खराब स्थिति में मिला। जिसे नष्ट कराया। यहां वेज, नॉनवेज खाना एक ही फ्रीज में रखा था। टीम ने जवाहर चौक स्थित अनुपम स्वीट्स के यहां कोल्ड ड्रिंक्स, रियल जूस, काजू पैकेट समेत कई खाद्य सामग्री एक्सपायर्ड थी। उन्हें नष्ट कराया।

4 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

जीवाना रेस्टोरेंट किचन से भोजन व कोल्ड ड्रिंक्स के सैंपल भी लिए। किचन में गंदगी मिलने पर टीम ने स्टाफ को फटकारा। अनुपम स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट के किचन से 4 घरेलू गैस सिलेंडर भी जब्त किए।

मेट्रो एंकर

सख्ती : आर्म्स डीलरों की खरीद-बिक्री पर नजर रखने पोर्टल से जोड़ रहा प्रशासन

बंदूक और कारतूस की बिक्री पर अब ऑनलाइन पहरा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

गन और कारतूस की खरीद-बिक्री पर निगरानी के लिए प्रशासन ने ऑनलाइन सिस्टम तैयार कर लिया है। अब हर लाइसेंसी हथियार और कारतूस का रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध होगा। शहर के सभी आर्म्स डीलरों को इस पोर्टल से जोड़ा जा रहा है।

इसके लिए उनके आईडी-पासवर्ड भी जनरेट कर दिए गए हैं। अब डीलरों को हथियारों और कारतूसों की रोजाना होने वाली खरीद-बिक्री का हिसाब पोर्टल पर दर्ज करना होगा। कलेक्ट्रेट की आर्म्स शाखा के कर्मचारियों को भी नए सिस्टम का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। शस्त्रों का ऑनलाइन रिकॉर्ड रखने के लिए राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम ने पोर्टल तैयार किया है। आर्म्स शाखा के कर्मचारियों को भी लॉगिन और पासवर्ड दिए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सिस्टम जल्द शुरू होगा। इसके साथ ही शस्त्र लाइसेंस बनवाने, नवीनीकरण कराने और हथियार हस्तांतरित करने की प्रक्रिया में भी बदलाव किया जा रहा है। जिले में आर्म्स लाइसेंस के लिए ऑफलाइन आवेदन की व्यवस्था छह माह पहले ही बंद की जा चुकी है। फिलहाल लोकसेवा केंद्रों के माध्यम से आवेदन किए जा रहे हैं। नई व्यवस्था में आवेदक सीधे पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगे।



राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम ने बनाया पोर्टल

लाइसेंस बनवाने, नवीनीकरण और हथियार हस्तांतरण की प्रक्रिया में भी होगा बदलाव

किसने, कब और कितने कारतूस खरीदे। यह सब रिकॉर्ड में रहेगा।

नई व्यवस्था में शस्त्र विक्रेताओं की जिम्मेदारी भी बढ़ाई जा रही है। उन्हें कारतूसों की हर खरीद-बिक्री का रिकॉर्ड ऑनलाइन दर्ज करना अनिवार्य होगा। इससे प्रशासन को पता चल सकेगा कि किस लाइसेंसधारक ने किस दुकान से और किस तारीख को कितने कारतूस खरीदे। कारतूसों के वास्तविक उपयोग से जुड़ी जानकारी को भी निगरानी व्यवस्था से जोड़ने की तैयारी है। इसका उद्देश्य कारतूसों की बिक्री और उपयोग का रिकॉर्ड व्यवस्थित रखना और शस्त्रों से संबंधित गतिविधियों पर नजर रखना है। गौरतलब है कि पिछले दिनों भोपाल में स्पोर्ट्स कोटे के तहत खिलाड़ियों द्वारा खरीदे गए कारतूसों को लेकर गड़बड़ी सामने आई थी। एडीएम महेंद्र कवचे के अनुसार, गृह विभाग नया सिस्टम लागू कर रहा है। स पर काम चल रहा है।

भागीरथपुरा जलकांड : 600 पेज की रिपोर्ट में अफसरों की बड़ी लापरवाही उजागर

2018 से पता था दूषित पानी का खतरा, फिर भी नहीं चेते अफसर

इंदौर/भोपाल, दोपहर मेट्रो

भागीरथपुरा दूषित पानी हादसे को लेकर मध्यप्रदेश हाई कोर्ट में गुरुवार को होने वाली अंतिम बहस कोर्ट का समय समाप्त होने के कारण टल गई। अब 17 नवंबर को मामले में अंतिम बहस होगी। इसके बाद अदालत हादसे की जिम्मेदारी तय करने और आगे की कार्रवाई को लेकर निर्णय ले सकती है। दिसंबर-जनवरी में दूषित पानी की आपूर्ति से हुई मौतों के मामले में हाई कोर्ट में सात जनहित याचिकाएं विचाराधीन हैं। इस मामले की जांच के लिए गठित एक सदस्यीय आयोग की रिपोर्ट में प्रशासनिक और तकनीकी स्तर पर कई गंभीर खामियां सामने आई हैं।

2018 में ही मिल गया था दूषित पानी का संकेत- जांच आयोग की 600 से अधिक पन्नों की रिपोर्ट में बताया गया है कि अधिकारियों को वर्ष 2018 में ही जानकारी मिल गई थी कि शहर के बड़े हिस्से में दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है। इसके बावजूद समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। रिपोर्ट के अनुसार, भागीरथपुरा के रहवासी सितंबर 2025 से लगातार गंदे पानी की शिकायत कर रहे थे। यदि इन शिकायतों को गंभीरता से लेकर समय पर कार्रवाई की जाती तो इतने बड़े हादसे को टाला जा सकता था।

नई पेयजल लाइन की निविदा 20 माह तक अटकी

आयोग ने अपनी जांच में नई पेयजल लाइन बिछाने की निविदा प्रक्रिया में 20 माह की देरी का उल्लेख किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निविदा स्वीकृति से संबंधित फाइलें लंबे समय तक लंबित रहीं। आयोग ने इस देरी और निर्णय प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। इसके अलावा पेयजल और ड्रेनेज लाइन बिछाने के काम में हुई गड़बड़ियों को भी हादसे की प्रमुख वजहों में शामिल किया गया है। जांच में सामने आया कि पेयजल और ड्रेनेज लाइन एक साथ बिछाने से पेयजल दूषित होने की स्थिति बनी। दोनों व्यवस्थाओं के निर्माण और रखरखाव में बेहतर समन्वय तथा तकनीकी सावधानियों की कमी भी सामने आई है।



नगर निगम से जल-मल व्यवस्था अलग करने की सिफारिश

रिपोर्ट में आयोग ने पेयजल और ड्रेनेज व्यवस्था के संचालन में सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए हैं। उसने नगर निगम से पेयजल और ड्रेनेज व्यवस्था की जिम्मेदारी लेकर अलग जल-मल बोर्ड गठित करने की सिफारिश की है। आयोग का मानना है कि अलग व्यवस्था बनने से पेयजल आपूर्ति और सीवेज प्रबंधन की निगरानी तथा जवाबदेही बेहतर हो सकेगी। करीब तीन माह पहले एक सदस्यीय जांच आयोग ने अपनी सीलबंद रिपोर्ट हाई कोर्ट को सौंप दी थी। अदालत के निर्देश के बाद 600 से अधिक पन्नों की रिपोर्ट हाई कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड की गई है। इसके अंतिम 112 पन्नों में जांच का सार और प्रमुख निष्कर्ष दिए गए हैं। अब 17 नवंबर को होने वाली अंतिम बहस महत्वपूर्ण होगी। इसमें याचिकाकर्ताओं और संबंधित पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी। इसके बाद अदालत तय करेगी कि हादसे के लिए किन स्तरों पर जिम्मेदारी बनती है और आगे क्या कार्रवाई की जानी चाहिए।

गोवर्धन पर्व पर 9 नवंबर को

प्रदेशभर में गौ-पूजन एवं पशुपालकों का होगा सम्मान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गोवर्धन पर्व के अवसर पर 9 नवंबर को प्रदेश के पशुपालकों और गौशालाओं को बड़ी सौगात देंगे। भोपाल के रवींद्र भवन में दोपहर 12:30 बजे से आयोजित राज्य स्तरीय गौ-पूजन एवं पशुपालक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री प्रदेश की 3 हजार से अधिक पंजीकृत गौशालाओं को 60 करोड़ रुपये से अधिक की अनुदान राशि अंतरित करेंगे। यह राशि गौशालाओं में संरक्षित 5.51 लाख गोवंश के सितंबर माह के भरण-पोषण के लिए दी जाएगी। इसके साथ ही उत्कृष्ट पशुपालकों को सम्मानित कर पुरस्कार राशि भी प्रदान की जाएगी।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग, श्रीकृष्ण पाथेय न्यास और संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के विजेताओं को मुख्यमंत्री सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य गोवंश संरक्षण और संवर्धन के साथ पशुपालकों को आधुनिक एवं उन्नत पशुपालन के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर भी गौ-पूजन और पशुपालक सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे।

उत्कृष्ट पशुपालकों को मिलेंगे एक लाख रुपये

गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पशुपालकों को मुख्यमंत्री प्रमाण-पत्र और पुरस्कार राशि प्रदान करेंगे। प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 50 हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपये दिए जाएंगे। प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को पुरस्कार की राशि एक साथ सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाएगी।

सीएम मोहन यादव ने दिए तैयारी तेज करने के निर्देश

63 हजार करोड़ से बनेंगे पांच ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, प्रदेश में बिछेगा सड़कों का जाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में सड़क संपर्क को मजबूत बनाने के लिए बड़े स्तर पर सड़क निर्माण और उन्नयन की तैयारी तेज करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश में करीब 63 हजार 296 करोड़ रुपए की लागत से 1398 किलोमीटर लंबे पांच ग्रीनफील्ड कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। इन परियोजनाओं के पूरा होने से प्रदेश में आधुनिक सड़क नेटवर्क तैयार होगा और गांवों, कस्बों तथा शहरों के बीच आवागमन आसान होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कें विकास की जीवन रेखा हैं। प्रदेश का कोई भी गांव, कस्बा या शहर बेहतर सड़क संपर्क से वंचित नहीं रहना चाहिए। हर गांव और शहर को बारहमासी सड़कों से जोड़ना सरकार का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री समत्व भवन स्थित मुख्यमंत्री निवास में मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के संचालक मंडल की 49वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्माणाधीन सड़क परियोजनाओं की गति बढ़ाकर समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही लोक निर्माण, नगरीय प्रशासन, ग्रामीण विकास, उद्योग और मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड के बीच बेहतर तालमेल बनाकर काम करने को कहा। मुख्यमंत्री ने मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड के निर्माण पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।



कंबाइन हार्वेस्टरों को टोल शुल्क से मिलेगी छूट

किसानों को राहत देने के उद्देश्य से टोल प्लाजा पर कृषि कार्य में इस्तेमाल होने वाले कंबाइन हार्वेस्टरों को शुल्क से छूट देने का फैसला भी किया गया। यह छूट बीओटी टोल, बीओटी टोल एवं एन्यूटी, ओएमटी और उपयोगकर्ता शुल्क आधारित योजनाओं के अंतर्गत आने वाले सभी टोल प्लाजा पर लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

भोपाल से मंदसौर, ग्वालियर और सिंगरौली तक योजना

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में पांच फोरलेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड कॉरिडोर बनाने की तैयारी चल रही है। इनकी कुल लंबाई 1398 किलोमीटर होगी। इनमें भोपाल-मंदसौर 258 किलोमीटर, सागर-सतना 227 किलोमीटर, जबलपुर-आशापुर 358 किलोमीटर, भोपाल-ग्वालियर 320 किलोमीटर और कटनी-सिंगरौली 235 किलोमीटर का मार्ग शामिल है। इन मार्गों का निर्माण पेव्ड शोल्डर सहित किया जाएगा। भोपाल-मंदसौर, सागर-सतना और जबलपुर-आशापुर मार्गों की व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इनके लिए अलग-अलग मार्ग विकल्प सामने आए हैं और सड़क विकास निगम बेहतर मार्ग का चयन कर रहा है। वहीं भोपाल-ग्वालियर और कटनी-सिंगरौली कॉरिडोर के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने वाले सलाहकार के चयन की प्रक्रिया चल रही है। संचालक मंडल ने पांचों परियोजनाओं की व्यवहार्यता रिपोर्ट और उपयुक्त पाए जाने पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की अनुमति दे दी है।

राजमार्ग निधि का नया नाम, अब विकसित मध्यप्रदेश संकल्प पथ

मुख्यमंत्री ने निगम द्वारा प्रस्तावित राजमार्ग निधि का नाम बदलकर विकसित मध्यप्रदेश संकल्प पथ कर दिया है। इसके माध्यम से प्रदेश में सड़क विकास की योजनाओं को नई पहचान मिलेगी। बैठक में सड़क परियोजनाओं के वित्तीय और प्रशासनिक प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। बैठक में बीओटी योजना के तहत जावरा-नयागांव चारलेन परियोजना में शत-प्रतिशत इक्विटी के विनिवेश को मंजूरी दी गई। निगम के सुचारू संचालन के लिए मुख्य अभियंता के दो, महाप्रबंधक के तीन और उप महाप्रबंधक के पांच नए पद सृजित करने का निर्णय लिया गया। निगम में पदस्थ विधि सहायक का मानदेय बढ़ाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई।

बिना परीक्षण जीएडी से मार्गदर्शन मांगने पर सरकार नाराज

प्रमुख सचिव की मंजूरी अनिवार्य वरना बंद कर दी जाएंगी फाइलें; निर्देश जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार ने प्रमुख सचिव और सचिव की अनुमति के बिना सामान्य प्रशासन विभाग से सीधे पत्राचार करने के मामले में नाराजगी जताई है। विभाग का कहना है कि अधिकारी आधी-अधूरी जानकारी के साथ फाइलें भेजते हैं। जिलों या अन्य कार्यालयों से मार्गदर्शन मांगने वाले अधिकारी भी प्रस्ताव भेजने से पहले उसका गहन विश्लेषण नहीं करते हैं। अब बिना उचित परीक्षण, आवश्यक जानकारी और वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के भेजी जाने वाली फाइलों पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। ऐसे प्रकरणों को बिना कार्रवाई के नस्तीबद्ध कर दिया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने सभी विभागों, राजस्व मंडल अध्यक्ष, संभागायुक्तों और कलेक्टरों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि शासकीय विभागों से परामर्श या मार्गदर्शन के लिए भेजी जाने वाली फाइलों का उचित परीक्षण किए बिना भेजना ठीक नहीं है।

पहले नियमों और सर्कुलर का परीक्षण करें विभाग

सामान्य प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रशासकीय विभागों को किसी भी प्रकरण को भेजने से पहले अपने स्तर पर उपलब्ध नियमों, परिपत्रों और दिशा-निर्देशों का गंभीरता से परीक्षण करना होगा। इसके बाद ही जरूरत होने पर स्पष्ट बिंदुओं के साथ परामर्श के लिए फाइल भेजी जाए। संबंधित प्रकरण प्रमुख सचिव या सचिव के अनुमोदन के बाद ही भेजे जाएं। आदेश में दो टूक कहा गया है कि निर्धारित निर्देशों और सामान्य प्रशासन विभाग के पहले जारी परिपत्रों का परीक्षण किए बिना भेजी जाने वाली नस्तियों और पत्रों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में विभाग की ओर से कोई पत्राचार भी नहीं किया जाएगा और प्रकरणों को नस्तीबद्ध कर दिया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि पहले भी कई बार सर्कुलर जारी कर विभागों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद इनका सही तरीके से पालन नहीं किया जा रहा है। कई विभाग अपने स्तर पर प्रकरणों का सूक्ष्म परीक्षण किए बिना और उपलब्ध नियमों एवं निर्देशों को देखे बिना ही फाइलें सामान्य प्रशासन विभाग को भेज रहे हैं।

वोट चोरी के आरोपों के बीच एमपी में एसएसआर 12 से

कांग्रेस के पास हर बूथ पर एजेंट नहीं, 32 सीटों पर पेंच





प्रदेश के 71,930 बूथों पर भाजपा से मुकाबले की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कांग्रेस कथित वोट चोरी को लेकर देशभर में आंदोलन कर रही है। इस बीच मध्य प्रदेश में 12 नवंबर से मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) प्रारंभ होने वाला है। इसमें नए नाम जोड़ने के साथ मतदाता सूची से नाम हटाने और संशोधन के लिए आवेदन लिए जाएंगे। इस काम में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के बाद सबसे महत्वपूर्ण भूमिका राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की होती है, लेकिन प्रदेश में हर बूथ पर कांग्रेस के बीएलए नहीं हैं। 32 विधानसभा क्षेत्रों में बीएलए की नियुक्तियां होनी हैं। बता दें, प्रदेश में 230 विधानसभा सीटों में 71,930 बूथ हैं।

निष्क्रिय बीएलए बदले, 198 सीटों की सूची अपलोड

चुनाव में भाजपा संगठन से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस ने पिछले दो साल में अपने संगठन के सशक्तीकरण पर सर्वाधिक काम किया है। संगठन सृजन अभियान चलाकर बूथ स्तर तक टीम खड़ी की। पहली बार बीएलए की नियुक्ति के साथ उनका रिकॉर्ड तैयार किया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की वेबसाइट पर सभी के नाम व नंबर दर्ज कराए गए। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान इन्हें बूथों पर सक्रिय किया गया, लेकिन कई जगह से यह बात भी सामने आई कि जिन्हें बीएलए बनाया गया, वे काम नहीं कर रहे हैं। निष्क्रिय बीएलए बदले गए। इसके बावजूद डिंडौरी, आलीराजपुर जिले सहित 32 विधानसभा क्षेत्रों में बीएलए की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

प्रदेश नेतृत्व का दावा एसएसआर से पहले पूरी होगी प्रक्रिया

प्रदेश कांग्रेस के मतदाता सूची संबंधी कार्य के प्रभारी ललित सेन का कहना है कि 198 विधानसभा क्षेत्रों में नियुक्त बीएलए की सूची वेबसाइट पर अपलोड की जा चुकी है। बाकी जगह एसएसआर के पहले नियुक्ति कर ली जाएगी। संगठन महासचिव संजय कामले ने बताया कि एक-एक बीएलए का सत्यापन कराया जा रहा है। विधानसभा प्रभारी से इनके नाम, नंबर और काम करने की इच्छा को लेकर रिपोर्ट मांगी गई है। यदि ऐसा प्रतीत होगा कि कोई काम नहीं करना चाहता है तो उसके स्थान पर दूसरा बीएलए बनाया जाएगा। उधर, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने सभी दलों से बीएलए नियुक्त करने का आग्रह किया है।

प्रदेश में कर्मचारियों को दीपावली पर नहीं मिलेगा बढ़ा महंगाई भत्ता

पोर्टल बंद होने से अटके बिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश सरकार ने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता दो प्रतिशत बढ़ाया है, लेकिन वेतन बिल पहले जमा हो जाने के कारण बढ़े हुए भत्ते का भुगतान नहीं हो पाया। नवंबर में एरियर की पहली किस्त दिए जाने का निर्देश है, किंतु एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली की विंडो बंद होने से बिल जमा नहीं हो रहे हैं।

पहली किस्त पर संशय- कर्मचारी संगठनों ने दीपावली से पहले विंडो खोलने की मांग की है। वित्त विभाग ने एक जनवरी से 30 सितंबर तक के दो प्रतिशत महंगाई भत्ते का एरियर नवंबर, दिसंबर और जनवरी 2027 में तीन किस्तों में देने का निर्णय लिया है। पहली किस्त नवंबर में दी जानी है।

पोर्टल खोलने की मांग

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि कोषालय में भुगतान की विंडो बंद है। इस कारण आदेश के बावजूद कर्मचारियों को दीपावली से पहले एरियर की पहली किस्त मिलने की संभावना नहीं है। उन्होंने भुगतान के लिए दीपावली से पहले विंडो खोलने की मांग की है।

दीपावली की खुशियों से रोशन हुआ लोक भवन, राज्यपाल ने बांटी सौगातें



राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने आज लोक भवन के सांदीपनि सभागार में अधिकारी-कर्मचारियों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने सभी को उपहार भेंट कर त्योहार की खुशियां साझा कीं। राज्यपाल ने सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाल जीवन की कामना की। दीपावली के उल्लास और उत्साह से सराबोर इस आयोजन में आत्मीयता और अपनत्व का माहौल देखने को मिला। उपहारों के साथ शुभकामनाओं ने पर्व की खुशियों को और खास बना दिया। लोक भवन परिवार ने भी उत्साहपूर्वक दीपोत्सव की खुशियां मनाईं।

मेट्रो एंकर

इंदौर के अष्टांग आयुर्वेद चिकित्सालय को डिजिटल बनाने की पहल

क्यूआर कोड से मिलेगी पंचकर्म की विधि-बीमारी की जानकारी

इंदौर, दोपहर मेट्रो

आयुर्वेद की प्राचीन चिकित्सा पद्धति अब आधुनिक डिजिटल तकनीक से जुड़ने जा रही है। इंदौर के शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में धन्वंतरि जयंती से मरीजों को उपचार संबंधी जानकारी देने की नई व्यवस्था शुरू की जाएगी। इसके तहत मरीजों को अब पंचकर्म की विभिन्न प्रक्रियाओं को समझने के लिए बार-बार चिकित्सकों से जानकारी लेने की जरूरत नहीं होगी। ओपीडी पर्ची पर दिए गए क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन करते ही वे संबंधित उपचार के वीडियो देख सकेंगे। इसके साथ ही अपनी दिनचर्या, खानपान, जीवनशैली और मानसिक तनाव से जुड़ी जानकारियां भी ऑनलाइन दर्ज कर पाएंगे।



बीमारी की जड़ तक पहुंचने में मिलेगी मदद

डिजिटल प्रश्नपत्र में दर्ज जानकारियों के आधार पर चिकित्सक मरीज की स्वास्थ्य संबंधी स्थिति का आकलन कर सकेंगे। इससे रोग के मूल कारण और रोगोत्पत्ति की प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी। आयुर्वेद में उपचार के दौरान व्यक्ति की प्रकृति, आहार-विहार और दिनचर्या को विशेष महत्व दिया जाता है। ऐसे में मरीजों से मिलने वाली विस्तृत जानकारी उपचार की दिशा तय करने में उपयोगी साबित होगी। पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. अजीत कुमार ओझा के अनुसार, इस पहल से मरीजों की उपचार प्रक्रिया में सहभागिता बढ़ेगी। वे न केवल पंचकर्म की प्रक्रियाओं को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे, बल्कि अपनी जीवनशैली और स्वास्थ्य संबंधी आदतों के प्रति भी जागरूक होंगे। डिजिटल माध्यम से जानकारी जुटाने और उपचार को समझने की यह पहल आयुर्वेद चिकित्सा को अधिक सरल, सहज और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

महाविद्यालय के पंचकर्म विभाग की ओर से तैयार की जा रही इस व्यवस्था में ओपीडी पर्ची पर अलग-अलग प्रक्रियाओं के लिए अलग क्यूआर कोड दिए जाएंगे। इनमें स्नेहन, स्वेदन, वमन, विरेचन, बस्ति, नस्य और रक्तमोक्षण शामिल हैं। मरीज जिस प्रक्रिया का उपचार कराने जा रहे होंगे, उससे संबंधित क्यूआर कोड स्कैन कर उसके बारे में विस्तृत जानकारी वीडियो के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

इस पहल का उद्देश्य मरीजों को उपचार शुरू होने से पहले ही उसकी प्रक्रिया, उपयोगिता और तरीके से परिचित कराना है। अक्सर पंचकर्म की अलग-अलग प्रक्रियाओं को लेकर मरीजों के मन में कई तरह की आशंकाएं रहती हैं। वीडियो के माध्यम से उन्हें उपचार की जानकारी आसानी से मिल सकेगी। इससे मरीजों में जागरूकता बढ़ेगी और वे उपचार के दौरान अधिक आत्मविश्वास के साथ सहभागिता कर सकेंगे। इस डिजिटल व्यवस्था का दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा मरीजों की जीवनशैली से जुड़ा होगा। ओपीडी पर्ची पर दिए गए एक अन्य क्यूआर कोड को स्कैन करने पर मरीज डिजिटल प्रश्नपत्र भर सकेंगे। इसमें उनकी 24 घंटे की दिनचर्या, खानपान, आहार-विहार, पुरानी बीमारियों और मानसिक तनाव से संबंधित सवाल शामिल होंगे।

उजास का अर्थ

दिवाली पर घरों की देहरी से लेकर बाजारों तक रोशनी फैलती है, लेकिन इस बार इस उजास का एक अर्थ और भी है। भारतीय बाजारों में स्वदेशी उत्पादों की बढ़ती चमक उस आर्थिक बदलाव की कहानी कह रही है, जिसमें उपभोक्ता की पसंद अब केवल सस्ती और आकर्षक वस्तुओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसके साथ स्थानीय रोजगार और देश की अर्थव्यवस्था का विचार भी जुड़ने लगा है। महंगाई की चुनौती के बीच यह बदलाव निश्चित रूप से उत्साहजनक है। एक समय था जब दिवाली के बाजारों में चीनी झालरों, सजावटी सामानों और खिलौनों का एकछत्र दबदबा दिखाई देता था। सस्ते आयातित उत्पादों की चमक में कुम्हारों के मिट्टी के दीये, स्थानीय कारीगरों का हुनर और छोटे उद्यमियों की मेहनत कहीं पीछे छूटती जा रही थी। अब तस्वीर बदल रही है। 'वोकल फॉर लोकल' का आह्वान धीरे-धीरे उपभोक्ताओं के व्यवहार में उतर रहा है। लोग स्थानीय दुकानों और भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं। यह केवल खरीदारी का विकल्प नहीं, अपनी अर्थव्यवस्था के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार, नवरात्रि से दिवाली तक करीब सात लाख करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है। पिछले वर्ष के मुकाबले व्यापार में 15 प्रतिशत से अधिक वृद्धि की उम्मीद भी बाजार की संभावनाओं को दर्शाती है। खादी एवं ग्रामोद्योग की योजनाओं से कारीगरों को मिले उपकरण, कुम्हारों की बढ़ती उत्पादन क्षमता और मेक इन इंडिया के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का विस्तार इस परिवर्तन को आधार दे रहे हैं। इस बदलाव का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि स्थानीय उत्पादों पर खर्च होने वाला पैसा देश के भीतर ही रोजगार और आजीविका के अवसर पैदा करता है। एक मिट्टी का दीया खरीदना किसी कुम्हार के श्रम को सम्मान देना है तो हस्तनिर्मित वस्तु खरीदना किसी शिल्पकार की कला को जीवित रखना। यही छोटी-छोटी खरीदारी ग्रामीण और कस्बाई अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत बन सकती है। हालांकि, स्वदेशी के नाम पर केवल भावनात्मक आग्रह पर्याप्त नहीं होगा। भारतीय उत्पादों को गुणवत्ता, कीमत और डिजाइन के स्तर पर भी प्रतिस्पर्धी बनना होगा। स्थानीय कारोबारियों को भी बदलते बाजार और उपभोक्ता की अपेक्षाओं को समझना होगा।

मासूम बच्चों का पेशेवर अपराधियों जैसा व्यवहार गंभीर चिंता का विषय

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार



बच्चों में सहपाठियों के प्रति बढ़ती हुई हिंसा और आक्रामकता एक गंभीर और चिंताजनक विषय है। हाल के वर्षों में स्कूलों और आसपास के इलाकों में बच्चों द्वारा अपने दोस्तों या सहपाठियों के साथ मारपीट, दुर्व्यवहार या गंभीर अपराधों की घटनाएं सामने आई हैं।हाल ही में पंचकुला हरियाणा के सरकारी माडल स्कूल में एक आठ साल के छात्र ने एक छह साल की छात्रा पर जिस नृशंसता से जानलेवा हमला किया वह दिलदहलाने वाला है और बच्चों में बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति का हवाला देता है।

बच्चों में बढ़ता हिंसक और क्रूर व्यवहार एक गंभीर और चिंताजनक समस्या है, जिसके पीछे कई मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और पर्यावरणीय कारण हो सकते हैं।यदि बच्चा घर में कलह, गाली-गलौज, मारपीट या घरेलू हिंसा देखता है, तो उसके लिए हिंसा सामान्य हो जाती है। बिना निगरानी के इंटरनेट उपयोग, मारधाड़ वाले वीडियो गेम और हिंसक सामग्री का प्रभाव बच्चों के कोमल मस्तिष्क पर नकारात्मक असर डालता है। कई बार बच्चे अपने गुस्से, निराशा या चिढ़ को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते, जिससे वे आक्रामकता का सहारा लेते हैं। मनोविज्ञान के अनुसार, बच्चे अपने आसपास के वयस्कों या समाज के व्यवहार को आईने की तरह प्रतिबिंबित करते हैं।कुछ मामलों में इसके पीछे एडीएचडी आचरण विकार या अन्य विकासात्मक चुनौतियां भी हो सकती हैं।कई बार जब बच्चे जिद्द या हिंसा करते हैं, तो स्थिति संभालने के लिए बड़े उनकी मांग मान लेते हैं, जिससे यह व्यवहार और मजबूत हो जाता है।



सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में एक आठ साल का बच्चा, छह साल की बच्ची को क्रूरता के साथ पीटता-कुचलता नजर आया। पंचकूला के एक निजी स्कूल में घटी इस घटना ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। स्कूली छात्रों में नोक-झोंक, वाद-विवाद, मतभेद-मनभेद हमेशा होते रहे हैं। ऐसे में टीचर या अभिभावक तक शिकायत करके बात खत्म हो जाती थी। लेकिन यह आठ साल का बच्चा, जिस क्रूरता से केजी की बच्ची को खत्म करने की कोशिश में लगा था, उसने हमारे नीति-नियंताओं, शिक्षकों, अभिभावकों और आम लोगों तक को स्तब्ध कर दिया। बच्चे ने इस हमले को सुनियोजित तरीके से, समय-जगह का चुनाव करके अंजाम दिया। वह समय चुना जब उसके अपराध को देखने वाला कोई नहीं था। विज्ञान का धन्यवाद, जिसने सीसीटीवी कैमरा हमें उपलब्ध कराया। अन्यथा कोई विश्वास नहीं करता कि इतना छोटा बच्चा एक पेशेवर अपराधी की तरह वारदात को अंजाम देगा। हो सकता था रिकॉर्डिंग न होने पर किसी निर्दोष के सिर इस हमले का आरोप लग जाता। निस्संदेह, इस गदसे में स्कूल प्रशासन की गंभीर चूक है। आखिर स्कूल से अंतिम बच्चे के बाहर निकलने तक सुरक्षा की जिम्मेदारी क्यों नहीं निभायी गई? अब स्कूल पढ़ने जा रही छोटी बच्चियों व बच्चों के मां-बाप इस घटना से भयाक्रांत हैं कि क्या उनका बच्चा स्कूल में सुरक्षित है? शिक्षकों को भी इस बात को गंभीरता से समझना होगा कि बदलते दौर में बच्चे पहले जैसे नहीं रहे। शिक्षक-अभिभावक से ज्यादा उन्हें आज जो सबसे ज्यादा ज्ञान बांट रहा है, वह मोबाइल है। जो तमाम तरह की हिंसा सिखाने का स्रोत बन गया है।

इस घटना के बाद, इस आठ साल के छात्र की क्रूर व्यवहार की वजह उसका मोबाइल पर हिंसक फ्री-फायर गेम खेलना बताया जा रहा है। जो एक ऑनलाइन एक्शन व शूटिंग आधारित गेम है। जिसमें खिलाड़ी हथियार, गोलियों और अन्य घातक साधनों से प्रतिद्वंद्वी का मुकाबला करते हैं। हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि बच्चों को छोटी उम्र में मोबाइल उपलब्ध कराने के घातक परिणाम भी हो सकते हैं। आमतौर पर अभिभावक अपने काम करने या आराम करने के दौरान बच्चों को बहलाने के लिये मोबाइल पकड़ा देते हैं। लेकिन यह भूल जाते हैं कि इंटरनेट पर प्रसारित होने वाले हिंसक कार्यक्रम बच्चों को कितने गहरे तक प्रभावित करते हैं। बच्चे का दिमाग एक कोरी स्लेट की तरह से होता है। उस पर जैसी छाप बचपन में पड़ती है, वही भविष्य में उसकी सोच व जीवन की दिशा निर्धारित करती है। जिस पश्चिमी संस्कृति व जीवन शैली पर आधारित गेम्स का इन दिनों मोबाइल पर प्रचलन है, वे बच्चों को संवेदनहीन और निर्मम बना रहे हैं। बच्चों में लगातार अधैर्य, अशांति व आक्रामकता बढ़ रही है। बच्चों को ये लगता है कि व्यावहारिक जीवन में भी ऐसा ही व्यवहार सामान्य बात है। बच्चों के व्यवहार में आ रहा यह बदलाव एक घातक संकेत है। हमारे नीति-नियंताओं और शिक्षकों-अभिभावकों को सजग सतर्क होकर इस संकट के समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास करना होगा।

आपको बता दें किलंबे समय तक तनाव, अकेलापन, और उचित मार्गदर्शन की कमी के कारण बच्चों के मस्तिष्क के विकास और भावनाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।मोबाइल गेम्स, सोशल मीडिया और हिंसक सामग्री का अत्यधिक उपयोग बच्चों में संवेदनशीलता कम कर रहा है और उन्हें आक्रामक बना रहा है। घर में घरेलू हिंसा देखना, माता-पिता द्वारा कठोर या अनुशासनहीन व्यवहार, तथा बच्चों पर पर्याप्त ध्यान न देना इसके बड़े कारण हैं। उत्पीड़न और हीन भावना से स्कूल या कक्षाओं में किसी बच्चे का मज़ाक उड़ाया जाना या खुद कभी हिंसा का शिकार होना, बाद में उसे हिंसक प्रतिक्रिया देने के लिए प्रेरित कर सकता है।शुरुआती लक्षण में छोटी-छोटी बातों जैसे चॉकलेट, सीट या छोटी बहस पर गुस्सा करना और उसमें संयम खो बैठना। माता-पिता और शिक्षकों को बच्चों के साथ खुलकर बात करनी चाहिए ताकि उनके मन में चल रहे तनाव या डर को समझा जा सके। घर और स्कूल दोनों ही जगहों पर बच्चों को अनुशासन के साथ-साथ प्यार, करुणा और दूसरों का सम्मान करना सिखाएं। यदि बच्चे के स्वभाव में अचानक बहुत अधिक गुस्सा, खीझ या असामान्य बदलाव दिखे, तो समय रहते किसी मनोचिकित्सक या बाल विशेषज्ञ की सलाह लें। बच्चों द्वारा देखे जाने वाले मोबाइल ऐप्स, गेम और सोशल मीडिया पर नजर रखें ताकि वे किसी हिंसक या नकारात्मक प्रभाव से दूर रहें।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

असहमति से असहमत होती सामाजिक व्यवस्था... समाज और लोकतंत्र के लिए खतरा

डॉ. मोनिका भाम्भू कलाना
स्तंभकार



किसी लोकतान्त्रिक समाज में असहमति का अधिकार समाज की प्रगतिशीलता का द्योतक होता है। किसी प्रचलित विचार, नीति या सामाजिक मान्यताओं के समर्थन में जितने लोग खड़े होते हैं उसकी बजाय विरोध में बेहद कम होते हैं। ये बेहद कम लोग ही सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन के उत्प्रेरक बनते हैं। किसी सत्ता को निरंकुश होने से बचाने हेतु असहमति एक जरूरी तत्त्व है। उच्चतम न्यायालय ने इसीलिए असहमति को लोकतंत्र में सुरक्षा वाल्व बताया है। असहमति की आवाज को सुने बिना समाज स्थिर और जड़ हो जाता है।

किसी भी लोकतान्त्रिक समाज में असहमति और आलोचना जरूरी है। इन दोनों का समाज से गहरा और गतिशील संबंध होता है। असहमति विरोध करना भर नहीं होकर स्थापित मान्यताओं, विचारधाराओं और व्यवस्था के बारे में प्रश्न करना होता है। आलोचना केवल कमियाँ निकालना भर नहीं होकर मूल्यान्वेषण की प्रक्रिया है। किसी समाज, उसकी तात्कालिक परिस्थितियों और जीवन मूल्यों के मध्य संबंधों को आलोचना ही परिभाषित करती है। इस तरह वह समाज को सचेत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।असहमति समाज को एक स्वयंभू सत्ता नहीं मानकर प्रत्येक व्यक्ति के प्रति जवाबदेह मानकर चलती है। इस जवाबदेही से नैतिक और सामाजिक मूल्य बनते हैं। असहमति के बिना समाज और लोकतंत्र दोनों के लिए खतरे की स्थिति बनती है।



असहमत होना मानवीय गुण है। आजकल हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच असहमति के अधिकार पर पुनः प्रश्न छिड़ गया है। जिस तरह प्रदर्शनकारियों को दिमागी नक्सली, अराजकतावादी और असामाजिक तत्त्व कहा जा रहा है उससे लोकतंत्र की मर्यादा सवालों के घेरे में आ गई है। किसी भी प्रगतिशील लोकतंत्र में राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को बदलने में स्वतंत्र नागरिक की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। लोकतंत्र के इतिहास में सदैव से शांतिपूर्ण प्रतिरोधों ने देशों के सामाजिक-राजनीतिक ताने-बाने में आमूल-चूल परिवर्तन लाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बेंजामिन फ्रेंकलिन के अनुसार, सरकार से प्रश्न पूछना प्रत्येक नागरिक का प्रथम दायित्व है। जब इस दायित्व को पूरा करने के लिए नागरिक को दण्ड दिया जाने लगता है तब लोकतान्त्रिक प्रक्रिया स्वयं सवालों के घेरे में आ जाती है।

जब समाज में रह रहे अलग-अलग वर्ग एक-दूसरे के बारे में सोचना छोड़ देते हैं तभी लोकतंत्र में असली संकट पैदा होता है। इस संकट के बीज मनुष्य के, मनुष्य से अलगाव में निहित है। इसी अलगाव को भुनाकर, सत्ता नागरिकों को परस्पर विरोधी बनाकर खड़ा करने में समर्थ होती है। मनुष्य और मनुष्य के मध्य दूरी बढ़ने से ऐसी स्थितियाँ आम होती जा रही है। मनुष्य अब दूसरे मनुष्य के लिए जीता जगता इंसान नहीं रहकर वस्तु मात्र बन गया है। यही वह सोच है जो सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे लोगों को एक अव्यवस्था की तरह दिखाती है। यह दृष्टि सहानुभूति से उनकी मांगों पर गौर करने की बजाय उन्हें महसूस कराती हैं कि उनकी आवाज का कोई मूल्य नहीं है।

शिक्षा का प्रयोजन यदि मनुष्य में प्रश्न पैदा करना है तो ये प्रश्न केवल बाहरी व्यवस्थाओं, दर्शन और राजनीति के बारे में ही नहीं होते, स्वयं मनुष्य के बारे में भी होते है। मैं कौन हूँ, इसी प्रश्न से सभी प्रश्न शुरू होते हैं, दूसरों और सभ्यता के बारे में सभी सवाल दरअसल मनुष्य की वास्तविक स्थिति की पहचान से जुड़े होते हैं। मनुष्य ही एकमात्र ऐसा प्राणी है जो अपना आत्म-अन्वेषण कर सकता है। मनुष्य अपनी आलोचना से सीख सकता है और स्वयं में सुधार कर सकता है। जहाँ एक लोकतान्त्रिक राष्ट्र के रूप में सहिष्णुता का विकास आवश्यक है वहीं एक शिक्षित समाज का मूल्यांकन उसकी असहमति और प्रतिरोध को पचाने की क्षमता से होना चाहिए।

साहित्यिक विधा के रूप में आलोचना के लुप्त होते जाने के बारे में काफी चर्चाएं होती हैं। साहित्य अपनी संस्कृति और समाज से ही संस्कार ग्रहण करता है। क्या एक व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के रूप में हमारे भीतर रचनात्मक आलोचना के लिए जगह निरंतर कम नहीं होती गई है ? आभासी समाज ने औपचारिक तारीफ के लिए जैसा माहौल बनाया है क्या उसी अनुपात में हम असहमति और आत्म-लोचन के प्रति असहिष्णु नहीं होते गए हैं? व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आत्म-मूल्यांकन सबसे बुनियादी आवश्यकता रहा है। असहमति इस मूल्यांकन के लिए आधार का काम करती रही हैं। आलोचना की सार्थकता समाज को निरंतर प्रश्नों के लिए तैयार रहने में है। वहीं असहमति इन प्रश्नों के लिए आधारभूमि बनती है। जब कोई समाज अपनी व्यवस्था को अंतिम मान लेता है तो वह मानवीय सत्ता पर स्वयंभू सत्ता बनने की कोशिश करता है। रचनात्मक आलोचना हमें बताती है कि कोई सत्य अंतिम नहीं होता और कोई व्यवस्था मनुष्य से बड़ी नहीं हो सकती है। आलोचना इस बुनियादी चीज को केन्द्र बनाकर चलती है कि मानव प्राथमिक है और मानव में निरंतर सुधार किया जा सकता है, मानव की क्षमताओं को बढ़ाया जा सकता है। जब हम दूसरे विचार को सुनना बंद कर देते हैं तो स्वयं भी उस विचारधारा के कैदी होकर रह जाते हैं, जिसके लिए बाक़ी सब कुछ को दांव पर लगाया होता है।

दरअसल कोई भी प्रश्न व्यक्तिगत नहीं होता, वह किसी व्यक्ति के माध्यम से आकार लेता है इसलिए शुरुआत में वह व्यक्तिगत लगता है। लेकिन हर व्यक्तिगत प्रश्न अंततः सामाजिक-सांस्कृतिक प्रश्न ही होता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है इसलिए मनुष्य के बारे में हर सवाल में समाज की अदृश्य भूमिका होती है। जब कोई समाज अपनी भूमिका को मूल्यांकित करने की बजाय व्यक्तिगत असहमति को अपने स्वाभिमान का प्रश्न बनाने लगता है तब वह अपनी जवाबदेही से बचने की कोशिश करता है। समाज यदि एक ही प्रकार के मूल्यों को मानने वाले लोगों से बना समुदाय है तो समाज के लिए जरूरी है कि व्यक्ति की समस्याओं और संकटों का अपने स्तर पर समाधान करने की कोशिश करे। यह तभी सम्भव होगा जब समाज में असहमति और आलोचना के लिए जगह बनेगी। सच्चे अर्थों में समाज संवाद से ही बनता है। सार्वजनिक संवाद की संभावना के सिकुड़ने पर धीरे-धीरे संस्कृति और परम्परा जीवंत रहने की बजाय रीति-रिवाज का रूप ले लेते हैं। किसी समाज में असहमति और आलोचना की गुंजाइश खत्म होने पर वह समाज बौद्धिक रूप से जर्जर होने लगता है। असहमति और आलोचना का जीवंत रहना समाज के स्वास्थ्य और उसकी संस्कृति की जीवंतता की बुनियादी शर्त है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

बाल झड़ना और बार-बार बीमार पड़ना जिंक की कमी का संकेत



शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन और प्रोटीन के साथ जिंक जैसे खनिज की भी जरूरत होती है। इसकी मात्रा भले ही कम चाहिए, लेकिन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता, कोशिकाओं की वृद्धि, प्रोटीन निर्माण और घाव भरने में इसकी अहम भूमिका है। शरीर खुद जिंक नहीं बनाता, इसलिए इसकी पूर्ति भोजन से करना जरूरी है। इसकी कमी होने पर शरीर कई तरह के संकेत देने लगता है, जिन्हें नजरअंदाज करना ठीक नहीं है।

यदि आप बार-बार सर्दी-जुकाम या अन्य संक्रमणों की चपेट में आ रहे हैं, तो इसकी एक संभावित वजह जिंक की कमी हो सकती है। जिंक रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। इसकी कमी से प्रतिरक्षा प्रणाली की कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। हालांकि, बार-बार बीमार पड़ने के पीछे अन्य कारण भी हो सकते हैं।

बाल झड़ना और नाखून कमजोर होना: जिंक बालों के सामान्य विकास और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इसकी कमी होने पर बाल पतले होने, तेजी से झड़ने या कुछ हिस्सों में बाल कम होने की समस्या दिखाई दे सकती है। नाखून कमजोर होना या उनकी बनावट में बदलाव भी इसके संभावित संकेत हैं। हालांकि, बाल झड़ने के पीछे आयरन की कमी, थायरॉइड, तनाव और आनुवंशिक कारण भी हो सकते हैं।

भोजन में शामिल करें जिंक के स्रोत: जिंक की पूर्ति के लिए भोजन में दूध, दही, अंडे, मांस और मछली शामिल किए जा सकते हैं। शाकाहारी लोगों के लिए चना, राजमा, दालें, बीन्स, मूंगफली, तिल, कद्दू के बीज और साबुत अनाज अच्छे विकल्प हैं। दालों और अनाज को भिगोकर या अंकुरित करके खाने से उनमें मौजूद कुछ ऐसे तत्व कम हो सकते हैं, जो जिंक के अवशोषण को प्रभावित करते हैं।

बिना सलाह न लें जिंक की गोलियां: बाल झड़ना, संक्रमण होना या घाव देर से भरना हमेशा जिंक की कमी का संकेत नहीं है। इनके पीछे दूसरी बीमारियां और पोषण संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं। लगातार लक्षण बने रहने पर डॉक्टर से सलाह लें। जरूरत के अनुसार जांच कराई जा सकती है। बिना चिकित्सकीय सलाह के जिंक की गोलियां या सप्लीमेंट लेना नुकसानदेह हो सकता है। इसकी अधिक मात्रा से उल्टी, पेट दर्द और लंबे समय तक लेने पर शरीर में कॉपर की कमी भी हो सकती है।

निशाना

मैंने रहबर को आदमी जाना जानकर ये ख़ता नहीं होती



धर्मराज देशराज

गर खुदा की रज़ा नहीं होती
इश्क़ की इब्तिदा नहीं होती
मैंने रहबर को आदमी जाना
जानकर ये ख़ता नहीं होती।
मौत आयेगी कब कहाँ किसको
बात सबको पता नहीं होती।
वो तो रब का करम ही होता है
ज़ीस्त जब बेमज़ा नहीं होती।
उम्र गम की हो गर बड़ी यारों
इससे बढ़कर सज़ा नहीं होती।
जो खुशी बांटते ज़माने में
वो खुशी लापता नहीं होती।
ग़मज़दा है 'धरम 'कज़ा आजा
हमसे बस ये दुआ नहीं होती।

यूजर्स गाइड

फोन के पीछे चिपकने वाले गैजेट्स बढ़ाएंगे स्मार्टफोन की उपयोगिता

स्मार्टफोन के साथ मैगसेफ यानी चुंबकीय कवर का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ज्यादातर लोग इसे केवल वायरलेस चार्जिंग या फोन को स्टैंड पर टिकाने के लिए उपयोग करते हैं, जबकि इसकी मदद से कई दूसरे काम भी किए जा सकते हैं। बाजार में ऐसे छोटे-छोटे गैजेट उपलब्ध हैं, जो चुंबक की मदद से फोन के पीछे आसानी से चिपक जाते हैं। इनमें पर्स, पावर बैंक से लेकर स्पीकर और स्टोरेज डिवाइस तक शामिल हैं। खास बात यह है कि अब कई एंड्रॉयड फोन के लिए भी मैग्नेटिक रिंग वाले कवर उपलब्ध हैं।



अगर आप अलग से पर्स लेकर चलना पसंद नहीं करते, तो मैगसेफ वॉलेट अच्छा विकल्प हो सकता है। इसे फोन के पीछे चिपकाकर डेबिट-क्रेडिट कार्ड, पहचान पत्र और कुछ नकदी रख सकते हैं। कुछ वॉलेट में फोल्ड होने वाला स्टैंड भी मिलता है, जिससे वीडियो देखते समय फोन को टिकाना आसान हो जाता है । फोन पर वीडियो देखने, ऑनलाइन मीटिंग करने या वीडियो कॉल के दौरान मैग्नेटिक स्टैंड उपयोगी है। यह फोन के पीछे चिपककर उसे सही एंगल पर टिकाने में मदद करता है। कुछ स्टैंड में ग्रिप की सुविधा भी होती है, जिससे फोन हाथ से फिसलने का खतरा कम होता है।

जो लोग मोबाइल से ज्यादा फोटो और वीडियो शूट करते हैं, उनके लिए मैग्नेटिक एसएसडी उपयोगी गैजेट है। इसे फोन के पीछे लगाकर वीडियो रिकॉर्डिंग के दौरान बाहरी स्टोरेज के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। खासकर हाई क्वालिटी वीडियो बनाने वालों के लिए यह मददगार है। हालांकि, इसके लिए फोन में बाहरी स्टोरेज और संबंधित रिकॉर्डिंग फीचर का सपोर्ट होना चाहिए। गाड़ी चलाते समय रास्ता देखने के लिए बार-बार फोन उठाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मैग्नेटिक कार माउंट को डैशबोर्ड या एसी वेंट पर लगाकर फोन को चुंबक की मदद से टिकाया जा सकता है। कुछ मॉडल वायरलेस चार्जिंग की सुविधा भी देते हैं।

खरीदने से पहले इन बातों का रखें ध्यान: मैगसेफ गैजेट खरीदने से पहले फोन और कवर की चुंबकीय अनुकूलता जांच लें। केवल चुंबकीय कवर होने से वायरलेस चार्जिंग संभव नहीं हो जाती। इसके लिए फोन में भी जरूरी तकनीक होनी चाहिए। एसएसडी और पावर बैंक खरीदते समय फोन के साथ उनकी अनुकूलता, क्षमता और चार्जिंग मानक जरूर देखें। मजबूत चुंबक वाला प्रमाणित गैजेट चुनें, ताकि फोन और एक्सेसरीज सुरक्षित रहें।

वायरल कंटेंट

पिरामिड देखने का सपना पड़ा महंगा मिस्र में हुई कदम-कदम पर वसूली

दुनिया के सात अजूबों में शामिल मिस्र के पिरामिड देखने का सपना एक भारतीय महिला के लिए परेशानी भरा अनुभव बन गया। हजारों साल पुरानी सभ्यता और ऐतिहासिक इमारतों को करीब से देखने की चाहत लेकर मिस्र पहुंची महिला का कहना है कि वहां कदम-कदम पर उनसे पैसे मांगे गए। कभी टिकट के नाम पर तो कभी टैक्सी के किराये और बख्शीश के बहाने अतिरिक्त रकम वसूलने की कोशिश हुई। महिला ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर अपनी आपबीती सुनाई है, जो तेजी से वायरल हो रहा है।



पिरामिड देखने के लिए अलग-अलग टिकट: इंस्टाग्राम पर @wittyspacew नाम के अकाउंट से साझा वीडियो में महिला ने बताया कि गीजा के पिरामिड देखने के लिए टिकट व्यवस्था काफी उलझी हुई लगी। परिसर में प्रवेश के लिए अलग टिकट लेना पड़ता है। इसके बाद किसी खास पिरामिड के अंदर जाने, संग्रहालय देखने और ऐतिहासिक मकबरों में प्रवेश के लिए अलग-अलग टिकट खरीदने पड़ते हैं। लक्सर में प्राचीन मिस्र के राजाओं के मकबरों को देखने के लिए भी अतिरिक्त शुल्क देना पड़ता है।

महिला ने इस व्यवस्था की तुलना रेस्टोरेंट के मेन्यू से की, जहां हर छोटी-बड़ी चीज के लिए अलग कीमत चुकानी पड़ती है। उनका कहना था कि जिस ऐतिहासिक जगह को देखने के लिए वह उत्साहित थीं, वहां पहुंचकर बार-बार पैसे खर्च करने की स्थिति ने उनका अनुभव खराब कर दिया। इतना ही नहीं, कई स्थानीय लोग पहले बातचीत शुरू करते और फिर बख्शीश यानी टिप मांगने लगते थे। महिला के अनुसार, बार-बार पैसे मांगे जाने से उन्हें पूरी यात्रा में ठगे जाने जैसा महसूस हुआ। वह जल्द से जल्द अपनी यात्रा खत्म कर वापस लौटना चाहती थीं।

महिला का वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई। कुछ लोगों ने उनके अनुभव से सहमति जताई और कहा कि उन्हें भी मिस्र में ओवरचार्जिंग और टिप मांगने जैसी परेशानियां हुई हैं। एक यूजर ने लिखा कि मिस्र उसका सपनों का पर्यटन स्थल था, लेकिन यह अनुभव सुनने के बाद वहां जाने का विचार बदल गया। वहीं कुछ लोगों ने महिला की राय से असहमति जताई। उनका कहना था कि सही जानकारी, पहले से टिकट बुकिंग और यात्रा की योजना बनाने से ऐसी परेशानियों से बचा जा सकता है। कुछ यूजर्स ने यह भी कहा कि हर देश के पर्यटन स्थलों पर प्रवेश और दूसरी सुविधाओं के लिए अलग-अलग शुल्क देना सामान्य बात है।

त्योहारों से पहले मिठाई दुकानों पर खाद्य विभाग का छापा

10 से अधिक नमूने लेकर लैब भेजे; मनोहर श्री डेयरी से 2 किलो ढोकला मौके पर कराया नष्ट

इटारसी/नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

त्योहारी सीजन में मिठाइयों की बढ़ती मांग के बीच खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने इटारसी और नर्मदापुरम में जांच अभियान चलाया। गुरुवार को टीमों ने मिठाई दुकानों, डेयरी और खाद्य निर्माण प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर मावा, बर्फी, लड्डू, काजू कतली सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के 10 से अधिक नमूने लिए। इन्हें जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। वहीं, नर्मदापुरम में मनोहर श्री डेयरी एवं स्वीट्स से 2 किलो ढोकला मौके पर ही नष्ट कराया गया।



कलेक्टर एवं नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशन में एसडीएम नीलेश शर्मा के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश एस. दियावार की टीम ने इटारसी में कार्रवाई की। पुरानी इटारसी स्थित राजस्थान स्वीट से मावा बर्फी, बॉर्नविटा बर्फी और बेसन लड्डू के नमूने लिए गए। जमानी रोड स्थित बीकानेर स्वीट से नारियल बर्फी, मावा, बेसन लड्डू, मोतीचूर लड्डू और काजू कतली के नमूने लिए गए। अंबर फूड से मावा बर्फी और केसर बर्फी के नमूने एकत्रित किए गए। इटारसी में कुल 10 नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी भोजराज सिंह धाकड़ की टीम ने नर्मदापुरम में सेठानी घाट स्थित केला देवी डेयरी एवं स्वीट्स, इतवारा चौक स्थित अग्रवाल स्वीट्स और मनोहर श्री डेयरी का निरीक्षण किया। यहां से मलाई बर्फी, चॉकलेट बर्फी, मावा, सोनपपड़ी, नमकीन, मिल्क केक सहित अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। विभाग ने सभी प्रतिष्ठान संचालकों को साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मावा बर्फी से काजू कतली तक लिए नमूने

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने इटारसी में तीन प्रमुख प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। पुरानी इटारसी स्थित राजस्थान स्वीट से मावा बर्फी, बॉर्नविटा बर्फी और बेसन लड्डू के नमूने लिए गए। जमानी रोड स्थित बीकानेर स्वीट से नारियल बर्फी, मावा, बेसन लड्डू, मोतीचूर लड्डू और काजू कतली के नमूने एकत्रित किए गए। वहीं, अंबर फूड से मावा बर्फी और केसर बर्फी के नमूने लिए गए। इटारसी में कुल 10 नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं।

वेटलिफ्टिंग में ऋषिका ने रचा इतिहास अर्जुन अलंकरण से हुईं सम्मानित

इटारसी/भोपाल। दोपहर मेट्रो



अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वेटलिफ्टिंग में अपनी प्रतिभा और मेहनत का लोहा मनवा चुकीं इटारसी की होनहार खिलाड़ी ऋषिका पटेल ने एक बार फिर जिले का नाम रोशन किया है। भोपाल में आयोजित प्रतिष्ठित अर्जुन सिंह अलंकरण समारोह में ऋषिका को खेल के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। उनकी इस उपलब्धि से इटारसी सहित पूरे नर्मदापुरम जिले में गौरव और खुशी का माहौल है।

पूज्य दाऊ साहब स्वर्गीय अर्जुन सिंह की जयंती के अवसर पर भोपाल के सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान में आयोजित इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। ऋषिका पटेल के साथ वरिष्ठ पत्रकार एवं दिल्ली के राजदीप सरदेसाई, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष गोविंद गोयल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी ईश्वर पांडेय को भी अर्जुन सिंह अलंकरण प्रदान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी वीरेंद्र सिंह रहे। विशेष अतिथि के रूप में अभिमन्यु सिंह (दीपू दादा भाई), राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, विधायक राजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

न्यूज विंडो

इटारसी : रेत माफिया पर प्रशासन का शिकंजा, एक साथ 5 वाहन जब्त



इटारसी। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने अलग-अलग तहसीलों में दबिश देकर अवैध गतिविधियों में संलिप्त 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक ट्रैक्टर लोडर जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान इटारसी तहसील के ग्राम होरियापीपर में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गईं, जिन्हें इटारसी थाने में रखा गया है। माखननगर तहसील के ग्राम रजौन में अवैध रेत परिवहन करते एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर माखननगर थाने की अभिरक्षा में दी गई। वहीं, सोहागपुर तहसील के ग्राम अजबगांव में अवैध उत्खनन में लगा एक ट्रैक्टर लोडर जब्त किया गया, जिसे सेमरीहरचंद पुलिस चौकी में रखा गया है। कार्रवाई अनुविभागीय अधिकारी इटारसी नीलेश शर्मा और खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम की मौजूदगी में पुलिस बल के सहयोग से की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

पटाखा बाजार में लगी आग, एक घंटे तक गूंजते रहे धमाके, मची भगदड़



गंजबासौदा। दीपावली की खुशियों के बीच गुरुवार शाम श्रीरामलीला मेला ग्राउंड स्थित पटाखा बाजार में भीषण आग लग गई। एक दुकान से उठी आग की लपटों ने देखते ही देखते आसपास की दुकानों को चपेट में ले लिया। दुकानों में रखे पटाखे एक के बाद एक फूटने लगे और धमाकों से पूरा इलाका गूंज उठा। अचानक मची भगदड़ में लोग जान बचाकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम को बाजार में ग्राहकों की भीड़ थी, तभी एक दुकान से धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। पटाखों के धमाकों के बीच दमकल वाहन मौके पर पहुंचा। दमकलकर्मियों और पुलिस-प्रशासन की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक कई दुकानें और वाहन जलकर खाक हो चुके थे। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर भी मौके पर पहुंचे। प्रभावित दुकानदारों के अनुसार दीपावली के कारोबार के लिए लाखों रुपए का पटाखा स्टॉक रखा था, जो पूरी तरह नष्ट हो गया। व्यापारियों ने नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज, कलेक्टर के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से निलंबित

छात्राओं को मोबाइल पर अश्लील वीडियो दिखाता था शिक्षक, पालकों ने की पिटाई

नर्मदापुरम/इटारसी। दोपहर मेट्रो

केसला विकासखंड के प्राथमिक शाला तवानगर रानीपुर में पदस्थ शिक्षक पर छात्राओं के साथ अशोभनीय व्यवहार करने और मोबाइल पर आपत्तिजनक वीडियो दिखाने के गंभीर आरोप लगे हैं। गुरुवार को छात्राओं ने घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद आक्रोशित पालक स्कूल पहुंचे और आरोपी शिक्षक अजय मेहरा की पिटाई कर दी।

मामले की सूचना मिलते ही तवानगर पुलिस ने आरोपी शिक्षक को हिरासत में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने पीड़ित छात्राओं के बयान दर्ज किए हैं। थाना प्रभारी संजय पांडे के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और बीएनएस की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। मामला कलेक्टर के संज्ञान में आने के बाद संबंधित विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके बाद सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, नर्मदापुरम ने आरोपी शिक्षक अजय मेहरा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। पालकों का आरोप है कि शिक्षक के व्यवहार को लेकर पहले भी दो बार शिकायत सामने आई थी, लेकिन उस समय मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। गुरुवार की घटना के बाद पालकों का आक्रोश फूट पड़ा। बीईओ केसला हर्षित कौरव ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने पर प्राचार्य को मौके पर भेजा गया था। आरोपी शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है।



दो बार छात्राओं ने घर पहुंचकर बताई थी आपबीती

पालकों के मुताबिक, आरोपी शिक्षक अजय मेहरा के व्यवहार को लेकर पहले भी दो बार छात्राओं ने घर पहुंचकर शिकायत की थी। हालांकि, उस समय परिजनों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। गुरुवार को एक बार फिर शिक्षक पर छात्राओं के साथ अशोभनीय व्यवहार करने और मोबाइल पर आपत्तिजनक वीडियो दिखाने के आरोप लगे। छात्राओं ने घर पहुंचकर परिजनों को पूरी जानकारी दी। इसके बाद बड़ी संख्या में पालक, विशेषकर महिलाएं, स्कूल पहुंच गए। वहां आक्रोशित लोगों ने आरोपी शिक्षक की पिटाई कर दी। स्कूल में हंगामे के बाद शिक्षक के वहां से चले जाने की जानकारी भी सामने आई। पुलिस ने सूचना मिलने पर उसे हिरासत में लिया।

पुलिस ने दर्ज किए छात्राओं के बयान, विभागीय कार्रवाई भी हुई

मामले में तवानगर पुलिस ने आरोपी शिक्षक अजय मेहरा के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और बीएनएस की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। थाना प्रभारी संजय पांडे ने बताया कि छात्राओं की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। वहीं, घटना की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने संबंधित विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। बीईओ केसला हर्षित कौरव के अनुसार, शिकायत मिलने के बाद प्राचार्य को मौके पर भेजा गया था और आरोपी शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस पीड़ित छात्राओं के बयान दर्ज कर रही है। मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई साक्ष्यों के आधार पर होगी।

बंद फैक्ट्रियों के दरवाजे खुलवाएगा प्रशासन, संदिग्ध गतिविधियों पर रहेगी नजर

औबेदुल्लागंज। रायसेन जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और नियमों के पालन को लेकर प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। कलेक्टर रोहित सिसोनिया के निर्देश पर लंबे समय से बंद पड़ी फैक्ट्रियों, संदिग्ध गतिविधियों और नियमों का उल्लंघन करने वाले औद्योगिक प्रतिष्ठानों की जांच के लिए दो विशेष संयुक्त प्रशासनिक दल गठित किए गए हैं। इन दलों को मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र के अलग-अलग सेक्टरों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पहले जांच दल में सहायक प्रबंधक सुबोध श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार निलेश सरवटे, उपनिरीक्षक संतोष मोंगिया, श्रम निरीक्षक राम कुमार श्रीवास्तव, खाद्य एवं औषधि निरीक्षक कीर्ति मालवीय और आरक्षक राजू चौहान शामिल हैं। वहीं, दूसरे दल में सुबोध श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार रंजन चौहान, थाना मंडीदीप से अवनीश गिरी गोस्वामी, श्रम निरीक्षक ज्योत्सना लोवंशी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी प्रताप सिंह तोमर और आरक्षक संजय यादव को शामिल किया गया है।

सात दिन में पूरी करनी होगी जांच

दोनों दल अपने-अपने आवंटित सेक्टरों में सभी कारखानों और फैक्ट्रियों का भौतिक सत्यापन करेंगे। जांच में अनियमितता, अवैध गतिविधि या नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित विभाग वैधानिक कार्रवाई करेगा अथवा उच्च अधिकारियों को प्रस्ताव भेजेगा। कलेक्टर ने अभियान तत्काल शुरू कर अधिकतम सात दिनों के भीतर जांच पूरी करने और विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

पदोन्नति अलंकरण समारोह में 24 वनकर्मी सम्मानित, लगाए स्टार



नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में गुरुवार को पदोन्नति प्राप्त वनकर्मियों के सम्मान में पदोन्नति अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें वनरक्षक से वनपाल और वनपाल से उप वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नत हुए 24 वनकर्मियों को सम्मानित किया गया।

एसटीआर के उप संचालक एवं जनसंपर्क अधिकारी आशीष खोबरागड़े ने बताया कि समारोह में क्षेत्र संचालक और उप संचालक ने पदोन्नत कर्मचारियों की वर्दी पर स्टार लगाकर उन्हें नई पदस्थ जिम्मेदारियों के लिए अलंकृत किया। इस दौरान अधिकारियों ने वनकर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा, उत्कृष्ट सेवाकाल और वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण के प्रति उनके समर्पण की सराहना की।

अधिकारियों ने कहा कि पदोन्नति के साथ कर्मचारियों की जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं। उनसे अपेक्षा है कि वे नए दायित्वों का निर्वहन पहले से अधिक निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे। समारोह में मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पदोन्नत वनकर्मियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नवीन बस स्टैंड से बसों ने फिर भरी रफ्तार, 10 ऑटो पर हुई कार्रवाई

इटारसी। नवीन बस स्टैंड से स्थानीय बसों का संचालन दोबारा शुरू कराने के लिए परिवहन विभाग ने सख्ती दिखाई है। आरटीओ प्रमोद कापसे ने बस स्टैंड का निरीक्षण कर स्थानीय बस संचालकों से चर्चा की, जिसके बाद कई दिनों से बंद बसों का संचालन फिर शुरू हो गया। वहीं, बस संचालकों की शिकायत पर नगरपालिका सीमा से बाहर सवारियां लेकर जाने वाले 10 से अधिक अवैध ऑटो जब्त किए गए।

आरटीओ प्रमोद कापसे ने बताया कि इटारसी से जमानी सहित अन्य मार्गों पर नगरपालिका सीमा के बाहर ऑटो से सवारी परिवहन किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इससे स्थानीय बस संचालकों को आर्थिक नुकसान हो रहा था। जब्त ऑटो को पथरोटा थाने में खड़ा कराया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे वाहनों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। आरटीओ ने बताया कि नवीन बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन और बाजार क्षेत्र तक आने-जाने वाले ऑटो का किराया जल्द निर्धारित किया जाएगा, ताकि यात्रियों को मनमाना किराया न देना पड़े। निरीक्षण के दौरान सुरक्षित परिवहन के निर्देश भी दिए गए।

पश्चिम मध्य रेल
यांत्रिक शाखा
निविदा सूचना क्र **JBP-M-Tender-33-2026** **Dated 04/11/2026**, खुली निविदा
निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (फ्रेट एंड ईएनएचएम), मंडल रेल प्रबंधक यांत्रिक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है **निविदा सूचना क्रमांक दिनांक** : JBP-M-Tender-33-2026, Dated 04/11/2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : जबलपुर मंडल के ET-JBP, NKJ-SGRL और KTE-BINA सेक्शन में 'हॉट एक्सल बॉक्स हॉट व्हील डिटेक्टर' (HAHW) की आपूर्ति, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग जिसमें 24 महीने की वारंटी अवधि पूरी होने के बाद 06 वर्षों के लिए CAMC भी शामिल है।, **कार्य का विज्ञापित मूल्य रुपये** : 19331055.00, **बयाना राशी रुपये** : 386600.00, **समापन की अवधि** : 06 माह, **निविदा क्लोजिंग तिथि एवं समय** : 26.11.2026, 15:00 Hrs उपरोक्त ई–निविदा की संपूर्ण जानकारी वेब साईट https:ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। (हस्ता.)
कृते मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

मेट्रो एंकर

मोहली के प्रशिक्षण केंद्र में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

जंगल के रखवालों को मिला वन्यजीव रेस्क्यू का विशेष प्रशिक्षण

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वन्यजीवों के संरक्षण और आपात परिस्थितियों में उनके सुरक्षित रेस्क्यू को लेकर गुरुवार को वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के प्रशिक्षण केंद्र मोहली में एक दिवसीय विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें सामान्य वन मंडल दक्षिण सागर के उपवनमंडल अधिकारी, वन परिक्षेत्र अधिकारी सहित मैदानी अमले के करीब 50 अधिकारी-कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में वन्यजीवों की निगरानी, आधुनिक तकनीक, सुरक्षित रेस्क्यू और घायल वन्यजीवों की चिकित्सा देखभाल के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने कैमरा ट्रैप, पगमार्क, मल, पेड़ों पर खरोंच और अन्य प्राकृतिक संकेतों के माध्यम से वन्यजीवों की मौजूदगी एवं गतिविधियों की पहचान करने के तरीके बताए। साथ ही एम-स्ट्राइप्स ऐप के माध्यम से वनकर्मियों की गश्त, मार्ग और गतिविधियों की डिजिटल निगरानी की जानकारी दी गई।



सुरक्षित रेस्क्यू और चिकित्सा देखभाल पर जोर

प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि प्रत्येक वन्यजीव का व्यवहार अलग होता है, इसलिए रेस्क्यू से पहले उसकी प्रकृति और गतिविधियों को समझना जरूरी है। जल्दबाजी से वन्यजीव और रेस्क्यू टीम दोनों को खतरा हो सकता है। विशेषज्ञों ने आवश्यक उपकरणों, टीम समन्वय और सुरक्षित दूरी बनाए रखने के तरीके भी समझाए।

घायल वन्यजीवों को प्राथमिक उपचार, पशु चिकित्सकीय देखभाल और सुरक्षा उपकरणों के उपयोग की जानकारी दी गई। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता, स्कूलों में कार्यक्रम और स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई। कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में मिली जानकारी को मैदानी कार्यों में अपनाने और वन्यजीव संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी से कार्य करने का संकल्प लिया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
नया भोपाल संभाग, लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक 19/व. ले.लि./ निविदा/2026-27 भोपाल, दिनांक 29.10.2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु राशि (रु.लाख में)	अमानत राशि
1	2026_PWDRB_546475_1	उपसंभाग क्रमांक-2 लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-10 के विभिन्न जी, एच एवं आई-टाईप शासकीय आवास गृहों में विभिन्न अनुरक्षण, साधारण मरम्मत, विशेष मरम्मत कार्य।	प्रथम आमंत्रण	42.00	50000.00
2	2026_PWDRB_546476_1	उपसंभाग क्रमांक-2 लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-27 स्थित शासकीय आवास गृहों में रंगाई-पुताई एवं पेंटींग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	32.00	50000.00
3	2026_PWDRB_546477_1	उपसंभाग क्रमांक 2 लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत 228 आवास के विभिन्न जी-टाइप मल्टी स्टोरी शासकीय आवास गृह में विभिन्न अनुरक्षण, साधारण मरम्मत, विशेष मरम्मत कार्य।	प्रथम आमंत्रण	42.00	50000.00
4	2026_PWDRB_546478_1	उपसंभाग क्रमांक-2 लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-24 स्थित शासकीय आवास गृहों में रंगाई-पुताई एवं पेंटींग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	32.50	50000.00
5	2026_PWDRB_546479_1	उपसंभाग क्रमांक 2 लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-13 के विभिन्न एच, जी एवं आई टाईम शासकीय आवास गृहों में विभिन्न अनुखाण, साधारण मरम्मत, विशेष मरम्मत कार्य।	प्रथम आमंत्रण	40.00	50000.00
6	2026_PWDRB_546480_1	उपसंभाग क्रमांक-2 लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेवशन क्रं.-10 स्थित शासकीय आवास गृहों में रंगाई-पुताई एवं पेंटींग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	33.00	50000.00
7	2026_PWDRB_546481_1	उपसंभाग क्रमांक-2 लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेवशन क्रं.-27 के विभिन्न जी, एच, एवं आई टाईप शासकीय आवास गृहों में विभिन्न अनुरक्षण, साधारण मरम्मत, विशेष भरम्मत एवं डिपॉजिट कार्य।	प्रथम आमंत्रण	41.00	50000.00
8	2026_PWDRB_546482_1	उपसंभाग क्रमांक-2 लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-09 के विभिन्न ई-टाईप शासकीय आवास गृहों में विभिन्न अनुक्षण, साधारण मरम्मत, विशेष मरम्मत कार्य।	प्रथम आमंत्रण	48.00	50000.00
9	2026_PWDRB_546483_1	उपसंभाग क्रमांक 2 लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-13 स्थित शासकीय आवास गृहों में रंगाई-पुताई एवं पेंटींग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	35.00	50000.00
10	2026_PWDRB_546484_1	उपसंभाग क्रमांक 2 लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-24 के विभिन्न एच, जी एवं आई टाईप शासकीय आवास गृहों में विभिन्न अनुरक्षण, साधारण मरम्मत, विशेष मरम्मत एवं डिपॉजिट कार्य।	आमंत्रण प्रथम	39.00	50000.00
11	2026_PWDRB_546485_1	उपसंभाग क्रमांक-2 लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-09 स्थित शासकीय आवारा गृहों में रंगाई-पुताई एवं पेंटींग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	35.00	50000.00
		योगः-		419.50	

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं सबमिशन करने की अंतिम तिथि 18.11.2026 सायं 5.30 बजे निर्धारित है। निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन होने पर उसे उपरोक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री
नया भोपाल संभाग लो.नि.वि. भोपाल

G-21124/26

शहीद टीआई के परिवार से मिले जीतू, बोले- सरकारी संरक्षण के बिना नहीं पहुंच सकती अवैध शराब

शहीद दिलीप पुरी के घर पहुंचकर परिजनों को बंधाया ढांढस, शराब तस्करी मामले में सीबीआई जांच की मांग

धार। दोपहर मेट्रो

खातेगांव में अवैध शराब पकड़ने के दौरान बरमंडल के शहीद थाना प्रभारी दिलीप पुरी की हत्या के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी गुरुवार को उनके घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर संवेदनाएं व्यक्त कीं और शहीद टीआई को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पटवारी ने प्रदेश की कानून व्यवस्था और अवैध शराब कारोबार को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला।

पटवारी ने कहा कि शराबबंदी वाले गुजरात तक मध्यप्रदेश से अवैध शराब पहुंचना सरकार के संरक्षण के बिना संभव नहीं है। उन्होंने पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने और शराब माफियाओं को मिल रहे



कथित राजनीतिक संरक्षण पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और जब पुलिसकर्मी ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम जनता की सुरक्षा पर सवाल उठना स्वाभाविक है। पटवारी ने पुलिसकर्मियों की ड्यूटी व्यवस्था में बदलाव और उनके परिवारों को राहत देने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग के तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के बच्चों की शिक्षा पूरी तरह निशुल्क होनी चाहिए। यह शहीद दिलीप पुरी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विश्वास सारंग के बयान पर पटवारी का पलटवार

मीडिया से चर्चा के दौरान जीतू पटवारी ने कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग के बयानों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में सारंग करीब 25 साल से मंत्री हैं। यदि व्यवस्था इतनी खराब है तो इतने वर्षों में अपराधों पर नियंत्रण क्यों नहीं हो पाया? पटवारी ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार को जनता को गुमराह करने के बजाय अपनी नाकामी स्वीकार करनी चाहिए। लगातार आपराधिक घटनाएं हो रही हैं तो अपराधियों की गिरफ्तारी और दोषियों को सजा दिलाने में देरी क्यों हो रही है? सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। जीतू पटवारी के बरमंडल पहुंचने से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मानव श्रृंखला बनाकर शहीद थाना प्रभारी दिलीप पुरी को श्रद्धांजलि दी और सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी, सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल, पूर्व विधायक पांचीलाल मेड़ा, सतपाल बरनाला, सोहेल निसार, हरदेव सिंह जाट, बाबूलाल जाट और शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजेश पटेल सहित अनेक नेता मौजूद रहे। पटवारी ने पुलिसकर्मियों के बच्चों की निशुल्क शिक्षा और पुलिस विभाग की ड्यूटी व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए कहा कि इससे पुलिस परिवारों का तनाव कम होगा और पुलिसकर्मियों को बेहतर माहौल मिल सकेगा।

वरिष्ठ साहित्यकार अशोक कुमार धर्मेनियां को मिला श्रेष्ठ साहित्य सम्मान

शिवपुरी। वरिष्ठ साहित्यकार अशोक कुमार धर्मेनियां को श्रेष्ठ साहित्य सम्मान से नवाजा गया है।साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था' गीत गोविंद' शिवपुरी द्वारा अलंकरण



वर्ष- 2026 के लिए प्रदेशभर से प्रविष्टियां आई थीं। इनके मूल्यांकन, कृतियों के अवलोकन एवं साहित्यकार के साहित्य में संपूर्ण अवदान का चयन समिति द्वारा अवलोकन उपरांत क्रमांक-1 पर स्थापित 'श्री राधाबल्लभ श्रीवास्तव स्मृति श्रेष्ठ साहित्यिक सम्मान अलंकरण वर्ष -2026' के लिए चयन किया गया है। धर्मेनियां भोपाल के वरिष्ठ साहित्यकार व कवि हैं , जिनकी अभी तक 14 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उन्हें कई प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिए जा चुके हैं।

न्यूज विंडो

दिवाली पर सागर पुलिस का सुरक्षा कवच, बाजारों से होटल-ढाबों तक कड़ी निगरानी



सागर। दीपावली सहित आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए सागर पुलिस अलर्ट मोड पर है। पुलिस अधीक्षक संजीव सिंहा के निर्देशन में पूरे जिले में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयवीर सिंह भदौरिया और नरेंद्र सोलंकी के मार्गदर्शन में सभी थाना क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। जिले के संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों, प्रमुख बाजारों, सार्वजनिक स्थलों तथा मुख्य मार्गों पर पुलिस लगातार निगरानी कर रही है। पुलिस बल पैदल पेट्रोलिंग कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहा है। वहीं होटल, लॉज, रेस्टोरेंट और ढाबों की सघन चेकिंग की जा रही है। संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। सभी अनुविभागीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। थाना प्रभारी भी पुलिस बल के साथ चेकिंग और गश्त में जुटे हैं। इसके अलावा अवैध बारूद और विस्फोटक सामग्री के निर्माण, भंडारण, परिवहन व बिक्री के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए जांच और वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

आईपीएस स्कूल में दीया मेकिंग एवं रंगोली स्पर्धा में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा



उमरिया। आईपीएस स्कूल उमरिया में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में दीया मेकिंग और रंगोली प्रतियोगिता सहित विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कला और कल्पनाशीलता का प्रदर्शन किया। दीया मेकिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने आकर्षक और सुंदर दीपक तैयार किए, वहीं रंगोली प्रतियोगिता में रंग-बिरंगे रंगों से मनमोहक आकृतियां उकेरीं। विद्यार्थियों की कलाकृतियों से विद्यालय परिसर दीपावली के रंगों से सज उठा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ उनकी छिपी प्रतिभाओं को निखारने का अवसर देना था। इन गतिविधियों से बच्चों में रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास, कलात्मक कौशल और आपसी सहयोग की भावना को प्रोत्साहन मिला। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन शिक्षा के साथ संस्कार और सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देते हैं। अंत में प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।

धार: दो लाख 40 हजार की अवैध शराब जब्त, 19 आरोपी गिरफ्तार

धार। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, भंडारण, परिवहन और विक्रय पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर राजीव रंजन मीना के आदेश एवं सहायक आबकारी आयुक्त दीपक अवस्थी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की टीमों द्वारा जिले भर में होटल, ढाबों, संदिग्ध ठिकानों और प्रमुख मार्गों पर औचक निरीक्षण व रात्रि गश्त की जा रही है। विशेष अभियान के तहत पिछले 48 घंटे में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत कुल 35 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। इस दौरान आबकारी टीमों ने कार्रवाई करते हुए 2158 बल्क लीटर देशी व विदेशी शराब तथा महुआ लहान जब्त किया। साथ ही 19 आरोपियों को मौके से गिरफ्तार भी किया गया है। जप्त की गई शराब की कुल कीमत 2 लाख 40 हजार रुपए है। जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अवैध शराब के परिवहन को रोकने के लिए जिले के प्रमुख राजमार्गों, ग्रामीण संपर्क मार्गों तथा शहरी सीमाओं पर विशेष चेकिंग प्वाइंट बनाए गए हैं। यहां दोपहिया, चारपहिया एवं मालवाहक वाहनों की सघन तलाशी ली जा रही है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों, ढाबों और होटलों के संचालकों को कड़ी चेतावनी दी गई है कि उनके परिसर में अवैध मदिरा का सेवन या भंडारण पाए जाने पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

पति के कथित संबंधों को लेकर थी रंजिश, सीसीटीवी फुटेज और बयानों से खुला मामला

मां-बेटी पर पेट्रोल डालकर लगाई आग दोनों की मौत, रिश्ते की देवरानी गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

बीना थाना क्षेत्र के ग्राम गोदना में पारिवारिक रंजिश के चलते मां-बेटी पर पेट्रोल डालकर आग लगाने के मामले में पुलिस ने आरोपी महिला काजल गोस्वामी (28) को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में गंभीर रूप से झुलसी मां गिरजा (35) और उसकी नाबालिग बेटी की उपचार के दौरान मौत हो गई। दोनों की मृत्यु के बाद प्रकरण में हत्या की धारा 103(1) बीएनएस जोड़ी जा रही है।

पुलिस के अनुसार, 2 नवंबर की शाम आरोपी ने घर में घुसकर मां-बेटी पर पेट्रोल डालकर माचिस से आग लगा दी थी। घायल बेटी की रिपोर्ट और दोनों पीड़िताओं के मरणासन्न बयानों में आरोपी का नाम सामने आया। सीसीटीवी फुटेज में भी वह घटना के समय घर की ओर जाती दिखाई दी। पूछताछ में आरोपी ने पति आकाश और गिरजा के कथित मैत्री संबंधों को लेकर रंजिश की बात बताई। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर पेट्रोल रखने की स्टील की डोलची, कपड़े, जूते, माचिस और अन्य साक्ष्य जब्त किए हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। मामले की विवेचना जारी है।



स्कूटी से निकाला था पेट्रोल

पुलिस पूछताछ में आरोपी काजल ने बताया कि पति आकाश और गिरजा के बीच कथित मैत्री संबंधों को लेकर उसके मन में रंजिश थी। इसी के चलते उसने घटना से एक दिन पहले अपनी स्कूटी से पेट्रोल निकालकर रख लिया था। घटना वाले दिन वह सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए स्टील की डोलची में पेट्रोल लेकर घर के पीछे के रास्ते से गिरजा के घर पहुंची। कमरे में मां-बेटी को देखकर उसने दोनों पर पेट्रोल उड़ेलकर आग लगा दी। इसके बाद डोलची वहीं फेंककर दीवार पार की और अपने घर के पिछले दरवाजे से निकल गई। उसने घटना के समय पहने कपड़े पन्नी में रखकर स्कूटी से किर्रवदा बायपास के पास फेंक दिए थे।

सीसीटीवी फुटेज और बयानों से मिली अहम कड़ी

घटना की गंभीरता को देखते हुए बीना पुलिस ने तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। घर में प्रवेश के रास्ते पर पैरों के निशान मिले। गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने पर आरोपी महिला घटना के समय पीड़िताओं के घर की ओर जाती दिखाई दी। दोनों पीड़िताओं के कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष मरणासन्न बयान भी दर्ज कराए गए, जिनमें आरोपी द्वारा पेट्रोल डालकर आग लगाने की बात सामने आई। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर पेट्रोल रखने की स्टील की डोलची, ढक्कन, घटना के समय पहने कपड़े, जूते और माचिस जब्त की। घटनास्थल से पीड़िताओं के अधजले कपड़े और मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं।

कलेक्टर और एसपी ने पटाखा दुकानों और मुख्य बाजारों का किया निरीक्षण



सागर। दीपावली पर्व के दृष्टिगत शहर में सुरक्षा, शांति और सुगम व्यवस्था बनाए रखने के लिए सागर कलेक्टर दिलीप कुमार यादव एवं पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा प्रशासनिक अधिकारियों के दल के साथ शहर के भ्रमण पर निकले। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने शहर के प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले चौराहों और पटाखा दुकानों के लिए निर्धारित किए गए स्थलों का जायजा लिया। कलेक्टर और एसपी ने पटाखा विक्रेताओं को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने, दुकान स्थलों पर अग्निशमन (फायर सेफ्टी) के पुख्ता इंतजाम रखने तथा निर्धारित सीमा के भीतर ही दुकानें लगाने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही, अधिकारियों ने संवेदनशील इलाकों में कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों की समीक्षा की। भ्रमण के दौरान व्यापारियों और आम जनता से बातचीत कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया तथा आतिशबाजी व खरीदारी के दौरान नियमों का पालन करने की अपील की गई।

दीपावली : बाजार में 9 नवंबर तक चार पहिया वाहनों की 'नो एंट्री'

सुबह 10 से रात 8 बजे तक जवाहर मार्ग और महात्मा गांधी मार्ग पर लागू रहेगा प्रतिबंध

धार। दोपहर मेट्रो

दीपावली की खरीदारी के लिए बाजारों में बढ़ती भीड़ और यातायात के दबाव को देखते हुए यातायात पुलिस ने पांच दिवसीय विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया है। इसके तहत 9 नवंबर तक शहर के प्रमुख बाजार जवाहर मार्ग और महात्मा गांधी मार्ग पर सुबह 10 से रात 8 बजे तक चार पहिया वाहनों की नो एंट्री रहेगी। कार से बाजार आने वाले लोगों को अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़े कर पैदल खरीदारी के लिए जाना होगा।

त्योहारी सीजन में कपड़े, बर्तन, सजावटी सामान और पूजन सामग्री की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। वहीं सड़क किनारे अस्थायी दुकानें लगने से रास्ते संकरे हो जाते हैं। ऐसे में चार पहिया वाहनों की आवाजाही



रोककर जाम की स्थिति से बचने की तैयारी की गई है। यातायात थाना प्रभारी प्रेमसिंह ठाकुर के अनुसार, राय चौपाटी, नरसिंह चौपाटी, आनंद चौपाटी, पीपली बाजार, राजबाड़ा और घोड़ा चौपाटी पर छह फिक्स पाइंट बनाए गए हैं। यहां पुलिस जवान तैनात रहेंगे। यातायात मित्र व्यवस्था संभालेंगे और बाइक पार्टी लगातार गश्त करेगी। कृषि उपज मंडी, किला मैदान और लालबाग परिसर में पार्किंग बनाई गई है। एंबुलेंस सहित आपातकालीन वाहनों को प्रतिबंध से छूट रहेगी।

होर्डिंगों में विकास, सड़कों पर गड्ढे; रीवा में बदहाल व्यवस्थाओं से जनता परेशान: आशीष तिवारी

बदहाल सड़कें, अवैध पार्किंग और निर्माण कार्यों पर सवाल, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

रीवा। दोपहर मेट्रो

रीवा शहर सहित समस्त प्रमुख मार्गों पर बदहाल सड़कें, जगह-जगह गड्ढे, उड़ती धूल, अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग, जाम और बदहाल यातायात व सफाई व्यवस्था रीवा के जनमानस की परेशानी का कारण बनी हुई हैं। निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति भी चिंता का विषय है।

कांग्रेस नेता आशीष तिवारी ने इन समस्याओं को लेकर भाजपा सरकार, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को घेरते हुए कहा कि रीवा और विंध्य की जनता ने दशकों से लगातार भाजपा को भरपूर समर्थन दिया उसके बावजूद रीवा की जनता मूलभूत सुविधाओं से परेशान है।

तिवारी ने आरोप लगाया कि



निर्माण, मरम्मत और अन्य विकास कार्यों में गंभीर अनियमितताओं की आशंका है। हजारों करोड़ के विकास कार्यों के दावों के बावजूद सड़कों की बदहाली सरकारी धन के उपयोग और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने मांग की कि सभी प्रमुख निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट हो, टेंडर और भुगतान का विवरण सार्वजनिक हो तथा अनियमितता प्रमाणित होने पर जिम्मेदारों पर कठोर कार्रवाई हो।

उन्होंने कहा कि रीवा की बेशकीमती जमीनों को निजी बिल्डरों के हवाले कर बड़े-बड़े मॉल और व्यावसायिक परिसर खड़े कर देना विकास का पैमाना नहीं हो सकता। शहर का विकास चमकदार इमारतों और विज्ञापनी दावों से नहीं, बल्कि बेहतर सड़कों, स्वच्छ वातावरण, सुचारु यातायात, व्यवस्थित पार्किंग, जलनिकासी और आमजन को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं से तय होता है।

तिवारी ने कहा कि कुंभकर्णी नींद में मदमस्त नामचीन जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार हुक्मरान कागजी दावों से बाहर निकलें, जमीनी हकीकत का निरीक्षण करें और जनसमस्याओं के समाधान की जवाबदेही तय करें।

मेट्रो एंकर

हफ़सिली गांव में निगमायुक्त खत्री ने सामूहिक गोवर्धन पूजा की तैयारियों का जायजा लिया

गोबर मिट्टी से निर्मित हो रहा 11 फीट ऊंचाई वाला गोवर्धन पर्वत

सागर। दोपहर मेट्रो

हफ़सिली ग्राम स्थित डेयरी परियोजना स्थल के पशु मेला क्षेत्र में सामूहिक गोवर्धन पूजा की तैयारियों का नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने जायजा लिया और गोवर्धन पर्वत के निर्माण में गोबर के साथ उचित मात्रा में मिट्टी का उपयोग कर गिरराज पर्वत का अस्थाई आकार बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की इससे कलाकारों द्वारा पर्वत को आकर्षक स्वरूप दिया जा सकेगा और बेहतर साज-सज्जा से सुंदर वातावरण बनेगा। पशु मेला क्षेत्र में फैली मिट्टी पत्थर सहित यहां उगी खरपतवार को आधुनिक मशीनों की सहायता से साफ किया गया। उक्त मैदान की लेबलिंग कर स्वच्छ और सुविधाजनक बनाया गया है.



स्थानीय लोक कलाकार और मोनिया व्रत लेकर नृत्य करने वाले बहुत से श्रद्धालु पैरों में कुछ भी पहने बिना अपनी प्रस्तुति देते हैं ऐसे में उनकी सुरक्षा का भी ध्यान रखा जायेगा।

हफ़सिली के पशु मेला क्षेत्र में ट्रेक्टर ट्रॉली, डम्फरों से मिट्टी और स्थानीय पशुपालकों के यहाँ से गोबर लाकर एकत्र किया गया है. यहां लगे पेड़ को केंद्र मानकर लगभग 125 फ़ीट परिधि में 11 फ़ीट ऊंचाई तक मिट्टी गोबर से विशाल गोवर्धन पर्वत का निर्माण किया गया है, इस गोवर्धन पर्वत के चारों ओर परिक्रमा मार्ग और पूजन स्थल बनाया जायेगा। परिक्रमा मार्ग में श्रीकृष्ण और उनकी गौओं की प्रतिमाएँ व अन्य झाँकियां आकर्षण का केंद्र होंगी। रंगोली के आकर्षक रंगों से पर्वत और आसपास के क्षेत्र को सजाया जायेगा। हफ़सिली डेयरी परियोजना स्थल के शांत और प्राकृतिक वातावरण में 9 नवंबर को आयोजित होने वाले अन्नकूट पूजन के दौरान विशाल गोवर्धन पर्वत के दर्शन पूजन, स्थानीय व्यंजन और अन्य पकवानों की 56 भोग प्रसादी, विभिन्न पारंपरिक लोक नृत्य, भव्य आतिशबाजी, रंग-बिरंगे आभूषणों से सजी गौओं के साथ अन्य पशुधन की चहलकदमी, मेले की तर्ज पर लगी दुकाने और आसपास गाँव के श्रद्धालुओं सहित सागरवासियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति इस मेले के आयोजन को और भी मनोहारी बनाएगी।

114 मेडल जीतने वाले पैरा चैम्पियंस से मिले पीएम मोदी



शीतल-सिमरन की उपलब्धियों की सराहना

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जापान में हाल ही में संपन्न एशियन पैरा गेम्स के पदक विजेता भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों के संघर्ष और उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि वे पूरे देश के लिए प्रेरणा हैं। भारत ने आइची-नागोया में आयोजित इन खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारतीय पैरा एथलीटों ने कुल 114 पदक जीते, जिनमें 30 गोल्ड, 35 सिल्वर और 49 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। इस प्रदर्शन में 97 भारतीय पैरा एथलीटों का योगदान रहा।

इस कार्यक्रम में खेल मंत्री मनसुख मांडविया और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे भी मौजूद रहे। दो-दो गोल्ड मेडल जीतने वाली बिना हाथों की तीरंदाज शीतल देवी और दृष्टिबाधित धाविका सिमरन ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, %आपका संघर्ष और आपकी उपलब्धियां हर भारतीय को प्रेरित करती हैं। पहले माता-पिता अपने बच्चों को खेलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने से डरते थे। लोग कहते थे कि इस व्यवस्था में कुछ नहीं हो सकता, जो प्रतिभाओं का साथ नहीं देती। लेकिन जिस तरह आपने हार नहीं मानी, उसी तरह हमने भी अपने लक्ष्य पर ध्यान बनाए रखा। उन्होंने आगे कहा, टहमने तय किया कि देश के युवाओं की प्रतिभा बेकार नहीं जाने देंगे। जिस व्यवस्था ने आपकी प्रगति में बाधा डाली, हमने उसे बदलने का फैसला किया।

टी20 वर्ल्ड कप जिताने वाले सूर्या को मिली दोहरी जिम्मेदारी

संभालेंगे मुंबई की कप्तानी, और घरेलू मैदान पर दिखाएंगे दम!

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब दिलाने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव को एक और बड़ी जिम्मेदारी मिल गई है। अब वह घरेलू क्रिकेट में अपनी कप्तानी का हुनर दिखाते नजर आएंगे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की सीनियर चयन समिति ने उन्हें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी के लिए मुंबई टीम का कप्तान नियुक्त करने का फैसला किया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, सूर्यकुमार इस सीजन दोनों सफेद गेंद के टूर्नामेंट में टीम की अगुवाई करेंगे।

सूर्यकुमार यादव को यह जिम्मेदारी ऐसे समय में मिली है, जब पिछले महीने उन्हें मुंबई की रणजी ट्रॉफी टीम में जगह नहीं मिली थी। खास बात यह है कि सूर्यकुमार ने पूरे घरेलू सत्र के लिए अपनी उपलब्धता जाहिर की थी, लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें रेड बॉल क्रिकेट की टीम में शामिल नहीं किया। उस समय चयनकर्ताओं का कहना था कि सूर्यकुमार ने हाल के दिनों में पर्याप्त रेड बॉल क्रिकेट नहीं खेला है। हालांकि अब सीमित ओवरों के क्रिकेट में उन्हें कप्तानी सौंपकर चयनकर्ताओं ने उन पर भरोसा जताया है। मुंबई की टीम सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 14 नवंबर से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम को एलीट ग्रुप डी में रखा गया है। इस ग्रुप में हैदराबाद, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, ओडिशा, उत्तराखंड और विदर्भ की टीमें भी शामिल हैं। मुंबई का पहला मुकाबला हैदराबाद के खिलाफ होगा। एमसीए सूत्रों के मुताबिक, टीम चयन से पहले 7 और 9 नवंबर को अभ्यास मैच आयोजित किए जाएंगे। 9 नवंबर को मुंबई की टीम का चयन होगा और खिलाड़ी 11 नवंबर को कोलकाता के लिए रवाना होंगे।



टी20 वर्ल्ड कप की जीत के बाद घरेलू क्रिकेट में नई चुनौती

सूर्यकुमार यादव के लिए यह सीजन बेहद खास रहने वाला है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। अब वह अपने अंतरराष्ट्रीय कप्तानी अनुभव का इस्तेमाल मुंबई की घरेलू टीम को मजबूत बनाने में करेंगे। मुंबई का घरेलू क्रिकेट में शानदार इतिहास रहा है। ऐसे में सूर्यकुमार जैसे अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी की कप्तानी टीम के लिए अहम साबित हो सकती है। टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद सूर्यकुमार यादव ने अक्टूबर में एमसीए प्रेसिडेंट कप टी20 टूर्नामेंट में एमआईजी क्रिकेट क्लब की ओर से हिस्सा लिया था।

वेलिंग्टन में टीम इंडिया का दबदबा, 2019 में आखिरी बार न्यूजीलैंड को दी थी शिकस्त



नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार को वेलिंग्टन के स्काई स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को पांच विकेट से शिकस्त दी थी। अब टीम इंडिया की नजरें दूसरे मुकाबले में भी जीत दर्ज कर सीरीज में अपनी स्थिति मजबूत करने पर होंगी। इस बीच वेलिंग्टन के मैदान पर भारतीय टीम का पिछला रिकॉर्ड भी चर्चा में है, जहां आखिरी बार उसे साल 2019 में जीत मिली थी। वेलिंग्टन के स्काई स्टेडियम में भारतीय टीम का वनडे रिकॉर्ड अच्छा रहा है। टीम इंडिया ने इस मैदान पर अब तक कुल चार वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें से दो में उसे जीत मिली है। वहीं, एक मुकाबले में भारत को हार का सामना करना पड़ा, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा। भारतीय टीम ने इस मैदान पर अपना आखिरी वनडे मुकाबला साल 2019 में खेला था। उस मैच में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 35 रनों से हराया था।

टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक दे रहे चिन्मय सुतार

पांच पारियों में ठोक दिए 834 रन, 103 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड किया ध्वस्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में इन दिनों एक ऐसा नाम तेजी से चर्चा में है, जिसने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत का ध्यान खींच लिया है। मिजोरम की ओर से रणजी ट्रॉफी खेल रहे 29 वर्षीय बल्लेबाज चिन्मय सुतार ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। उन्होंने महज पांच पारियों में 834 रन बनाकर 103 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उनके इस असाधारण प्रदर्शन के बाद अब क्रिकेट प्रशंसकों के बीच सवाल उठने लगा है कि क्या चिन्मय सुतार को जल्द टीम इंडिया की जर्सी पहनने का मौका मिलेगा?

400 रनों की नाबाद पारी से पहले ही मचा चुके हैं तहलका- चिन्मय सुतार ने अपने शानदार प्रदर्शन की शुरुआत नागालैंड के खिलाफ की थी। इस मुकाबले में उन्होंने नाबाद 400 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलकर खूब सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद मेघालय के खिलाफ भी उनका बल्ला जमकर चला और उन्होंने 125 रन बनाए। अब अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 175 रनों की शानदार पारी खेलकर उन्होंने अपने रिकॉर्ड में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ दी है।



103 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़कर रचा इतिहास

अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 175 रन बनाते ही चिन्मय सुतार की फर्स्ट क्लास क्रिकेट की शुरुआती पांच पारियों में कुल रन संख्या 834 पहुंच गई। इसके साथ ही वह फर्स्ट क्लास क्रिकेट की शुरुआती पांच पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज बिल पोंसफोर्ड के नाम था। उन्होंने 1921 से 1923 के बीच शुरुआती पांच पारियों में 724 रन बनाए थे। उनका यह रिकॉर्ड करीब 103 साल तक कायम रहा, जिसे अब चिन्मय ने पीछे छोड़ दिया है। इतना ही नहीं, चिन्मय ने शुरुआती छह पारियों में 831 रन बनाने वाले अफगानिस्तान के बशीर शाह को भी पीछे छोड़ दिया है। चिन्मय सुतार ने मौजूदा रणजी सीजन में मणिपुर के खिलाफ फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पदार्पण किया था। अपने पहले मैच में उन्होंने 35 और 99 रनों की पारियां खेलीं। वह डेब्यू मैच में शतक से महज एक रन दूर रह गए थे।

मुंबई क्रिकेट की सीख आई काम

चिन्मय ने अपनी सफलता का श्रेय मुंबई क्रिकेट में शुरुआती दिनों के दौरान मिली सीख को दिया है। उन्होंने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कहा कि लगातार रन बनाना और विश्व रिकॉर्ड कायम करना उनके लिए खुशी की बात है। मुंबई क्रिकेट में उन्होंने सीखा कि जब बल्लेबाज अच्छी फॉर्म में हो तो उसे ज्यादा से ज्यादा रन बनाने का प्रयास करना चाहिए। 29 साल और 186 दिन के चिन्मय सुतार के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपने शानदार प्रदर्शन को लगातार बरकरार रखने की है। घरेलू क्रिकेट में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में जगह बनाना आसान नहीं होता।

कोहली की बल्लेबाजी के मुरीद हुए रवि शास्त्री, बोले-

सफेद गेंद क्रिकेट के महान खिलाड़ी; टेस्ट में भी आज मचा सकते हैं तहलका!

नई दिल्ली, एजेंसी

विराट कोहली का बल्ला एक बार फिर मैदान पर आग उगल रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में खेले गए पहले वनडे में उनकी शानदार बल्लेबाजी देखकर पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री भी उनके मुरीद हो गए। शास्त्री ने कोहली को सफेद गेंद के क्रिकेट का सर्वकालिक महान बल्लेबाज करार दिया है। उन्होंने कहा कि कोहली के खेल में आज भी वही क्लास, आक्रामकता और फिटनेस नजर आती है। इतना ही नहीं, शास्त्री का मानना है कि कोहली आज भी टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं। उनके मुताबिक, कोहली का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना भारतीय क्रिकेट के लिए निराशाजनक रहा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में विराट कोहली ने 51 गेंदों पर 74 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 13 चौके और एक छक्का लगाया। भारत को 186 रनों का लक्ष्य मिला था। रोहित शर्मा के जल्दी आउट होने के बाद कोहली ने शुभमन गिल के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रनों की शानदार साझेदारी की और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।



बाकी बल्लेबाजों के लिए पिच अलग थी, कोहली के लिए अलग

सोनी स्पोर्ट्स से बातचीत में रवि शास्त्री ने कोहली की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में बिना गलती किए सहजता और आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करना बेहद मुश्किल होता है। शास्त्री के मुताबिक, पिछले सात से दस वर्षों में कोहली ने जो बेहतरीन पारियां खेली हैं, ऑकलैंड की यह पारी उनमें से एक है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

रामायण में कैकेयी बनकर छाईं लारा दत्ता, पिता को याद कर हुईं भावुक

महाकाव्य %रामायण% को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह बना हुआ है। फिल्म में अभिनेत्री लारा दत्ता माता कैकेयी के महत्वपूर्ण किरदार में नजर आ रही हैं। इस खास मौके पर अभिनेत्री भावुक हो गईं और उन्होंने अपने दिवंगत पिता को याद करते हुए एक दिल छू लेने वाला संदेश साझा किया। लारा का कहना है कि काश आज उनके पिता उनके साथ होते और इस खास उपलब्धि को अपनी आंखों से देखते। उन्हें विश्वास है कि आज उनके पिता को उन पर गर्व होता।

लारा दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कैकेयी के लुक में कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इसके साथ उन्होंने अपने लंबे इंतजार और इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के अनुभव को शब्दों में बयां किया। अभिनेत्री ने लिखा कि कई साल पहले एक दिली इच्छा के रूप में शुरू हुआ यह सपना आज ऐसी कहानी का हिस्सा बन गया है, जो अनंत काल से चली आ रही है। उनके लिए यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी से जुड़ा एक बेहद खास अनुभव है। लारा दत्ता ने माता कैकेयी के किरदार को अपने करियर की बड़ी जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि कैकेयी इतिहास की सबसे गलत समझी गई महिलाओं में से एक रही हैं। उनके गुस्से, कमजोरियों, अपराधबोध और पछतावे को पर्दे पर जीवंत करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। अभिनेत्री ने उम्मीद जताई कि दर्शक इस कहानी को सदियों से चली आ रही धारणाओं से आगे बढ़कर देखेंगे और रामायण में माता कैकेयी की महत्वपूर्ण भूमिका को समझेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह अपने अभिनय के जरिए इस किरदार के साथ पूरा न्याय कर पाई होंगी।



बोलीं- काश! आज पापा मेरे साथ होते

नमित मल्होत्रा और नितेश तिवारी का जताया आभार

लारा ने इस महत्वपूर्ण किरदार के लिए उन पर भरोसा जताने वाले निर्माता नमित मल्होत्रा और निर्देशक नितेश तिवारी का विशेष धन्यवाद किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने सह-कलाकारों और पूरी फिल्म टीम के प्रति आभार जताया। अभिनेत्री ने इस महाकाव्य का हिस्सा बनने को अपने लिए बड़ा सौभाग्य बताया। अपने भावुक संदेश के आखिर में लारा दत्ता ने पिता को याद करते हुए लिखा, ऊआज मुझे अपने पिता की बहुत याद आ रही है और काश वो यहां मेरे साथ इसे देखने के लिए होते। उनकी इस बात ने उनके प्रशंसकों का ध्यान खींचा। लारा ने अपने संदेश का समापन करते हुए लिखा कि कुछ कहानियां सिर्फ सुनाई नहीं जातीं, बल्कि उन्हें जिया जाता है, महसूस किया जाता है और अपने भीतर संजोकर रखा जाता है।

टीवी की अंगूरी भाभी अब बनेंगी तुलसी! JD मजेठिया की नई AI सीरीज में शुभांगी की एंट्री

मुंबई। टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे एक बार फिर नए और दिलचस्प किरदार में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। %भाबीजी घर पर हैं% से घर-घर में लोकप्रिय हुईं शुभांगी अब निर्माता, क्रिएटर और अभिनेता जेडी मजेठिया की आगामी ड्रामा सीरीज %तुलसी है ना% में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। खास बात यह है कि इस सीरीज में कहानी कहने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अनोखा प्रयोग किया जाएगा। शुभांगी इसमें तुलसी का किरदार निभाएंगी।

निर्माता जेडी मजेठिया अपनी पिछली सीरीज चुंबक की सफलता के बाद एक नए कॉन्सेप्ट के साथ दर्शकों के बीच आने की तैयारी कर रहे हैं। तुलसी है ना के जरिए वह मनोरंजन की दुनिया में तकनीक और अभिनय का नया मेल पेश करने जा रहे हैं। इस सीरीज में कलाकारों के असली चेहरों और आवाजों का इस्तेमाल करते हुए ढ्ढ तकनीक की मदद से कहानी को एक अलग अंदाज में प्रस्तुत किया जाएगा। मेकर्स का मानना है कि इससे दर्शकों को कहानी देखने का नया अनुभव मिलेगा।

जेडी मजेठिया बोले- भावनाएं रहेंगी कहानी की जान- सीरीज को लेकर जेडी मजेठिया ने कहा कि एक क्रिएटर के तौर पर वह हमेशा समय के साथ आगे बढ़ने में विश्वास रखते हैं। चुंबक के बाद उनकी टीम यह जानना चाहती थी कि नई तकनीक कहानी कहने के तरीके को किस तरह बेहतर बना सकती है। उन्होंने कहा कि %तुलसी है ना% में तकनीक कहानी की दुनिया को विस्तार देगी, लेकिन उसकी भावनाओं को कम नहीं होने देगी। शुभांगी अत्रे का मुख्य भूमिका में होना इस प्रोजेक्ट को और खास बनाता है।





मेट्रो बाजार

क्रेडिट सुइस विलय के बीच यूबीएस ने लंदन में करीब 200 कर्मचारियों की छंटनी की

नई दिल्ली। वैश्विक बैंकिंग समूह यूबीएस ग्रुप एजी ने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी क्रेडिट सुइस के विलय की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए लंदन में करीब 200 कर्मचारियों की छंटनी की है। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले कुछ सप्ताहों में की गई यह कटौती वेल्थ मैनेजमेंट और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग सहित कई व्यावसायिक इकाइयों को प्रभावित करती है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि यह नौकरी कटौती मार्च 2023 में सरकारी समर्थन से हुए क्रेडिट सुइस के अधिग्रहण के बाद शुरू किए गए व्यापक पुनर्गठन कार्यक्रम का हिस्सा है। इस अधिग्रहण के बाद यूबीएस के कर्मचारियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी, जिसके चलते बैंक ने परिचालन एकीकरण, सिस्टम माइग्रेशन और समान भूमिकाओं को समाप्त करने के लिए बहुवर्षीय योजना लागू की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्रेडिट सुइस के अधिग्रहण के बाद से यूबीएस के कुल कार्यबल में लगभग 18 प्रतिशत की कमी आ चुकी है। हालांकि विभिन्न विभागों में प्रभावित कर्मचारियों की सटीक संख्या का खुलासा नहीं किया गया है। जानकारी के अनुसार, जिन कर्मचारियों के पद समाप्त किए गए हैं, उनमें से कुछ को बैंक के भीतर अन्य भूमिकाओं में स्थानांतरित किए जाने का अवसर भी दिया जा सकता है। बताया गया है कि यूबीएस ने हालिया छंटनी की जानकारी आंतरिक रूप से कर्मचारियों को दी है।

भारत की अर्थव्यवस्था का नया पावरहाउस बनेगा AI, 10 साल में 79 अरब डॉलर का होगा फायदा

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने वाले वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकता है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अगले एक दशक में ढ्ढ भारतीय अर्थव्यवस्था में 79.1 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त योगदान दे सकता है। भारत की बड़ी युवा आबादी, मजबूत डिजिटल नेटवर्क और तकनीक के प्रति बढ़ते रुझान ने देश को वैश्विक ढ्ढ बाजार में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार AI क्षमता के मामले में भारत 56 कॉमनवेल्थ देशों में 11वें स्थान पर है।



आयर थिंक टैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 15 से 29 वर्ष की उम्र के करीब 38.2 करोड़ युवा हैं। यह कॉमनवेल्थ देशों की कुल युवा आबादी का आधे से अधिक हिस्सा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय युवाओं में AI को लेकर जबरदस्त उत्साह है। करीब 89 प्रतिशत युवा अगले एक साल में शिक्षा और रोजगार से जुड़े कार्यों में ढ्ढ का इस्तेमाल करना चाहते हैं। वहीं 60 प्रतिशत से अधिक युवाओं को ढ्ढ टूल्स के उपयोग का भरोसा है। रिपोर्ट में AI से होने वाले आर्थिक लाभ के तीन संभावित अनुमान दिए गए हैं। सतर्क अनुमान के मुताबिक भारत को 39.6 अरब डॉलर का फायदा हो सकता है, जबकि मध्यम अनुमान 79.1 अरब डॉलर का है। वहीं आशावादी स्थिति में यह आंकड़ा 118.7 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इस लिहाज से भारत कॉमनवेल्थ देशों में AI से आर्थिक लाभ हासिल करने के मामले में दूसरे सबसे बड़े अवसर के रूप में उभर रहा है। भारत में सस्ता मोबाइल डेटा, 4G कनेक्टिविटी और व्यापक डिजिटल ढांचा AI के विस्तार को गति दे रहे हैं। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक, अभी करीब दो-तिहाई युवाओं के पास ही अपना मोबाइल फोन है।





यहां भी 'अयोध्या'... विजयनगरम का अनोखा धनुष मंदिर

विजयनगरम। यह विजयनगरम का एक ऐसा मंदिर है जहां दूर से ही एक अजीब-सी संरचना दिखती है। पहली नजर में लगता है मानो धरती पर किसी ने विशाल धनुष-बाण रख दिया हो। जैसे-जैसे कदम बढ़ते हैं, एहसास होता है- यह कोई साधारण इमारत नहीं, बल्कि भगवान राम को समर्पित रामनारायणम है, जिसे लोग 'धनुष मंदिर' कहते हैं। अंदर प्रवेश करते ही वातावरण बदल जाता है। हल्की हवा के साथ हरियाली का सुकून, दूर-दूर से उमड़े श्रद्धालुओं की आवाजें और मंदिर के प्रांगण से आती भक्ति-धुनें मिलकर एक अद्भुत आभा रचती हैं। चारों ओर फैले 15 एकड़ के इस परिसर में चलते हुए ऐसा लगता है जैसे आप किसी दिव्य कथा के पन्नों पर कदम रख रहे हों। पहली मंजिल पर चढ़ते ही सामने रामायण की झलकियां जीवंत हो उठती हैं। पत्थर पर उकेरी गई मूर्तियां राम जन्म से लेकर लंका विजय तक की गाथा सुनाती हैं। हर हर चित्र के नीचे तेलुगु और अंग्रेजी में विवरण लिखा है। यहां 'बालकांड' से 'उत्तरकांड' तक के 72 रंगीन दृश्य भी हैं। बच्चे रुक-रुककर पढ़ते हैं, माता-पिता उन्हें समझाते हैं। यह जगह केवल मंदिर नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता क्लासरूम लगती है- जहां इतिहास, संस्कृति और नैतिकता एक साथ पढ़ाई जाती है। मगर, असली रोमांच शाम को शुरू होता है। जैसे ही घड़ी छह बजाती है, लोग खुले प्रांगण में जमा होने लगते हैं। सामने 60 फुट ऊंचा हनुमान जी का भव्य विग्रह खड़ा है। अचानक रोशनी बुझती है, और पूरा माहौल गूंज उठता है- 'जय हनुमान ज्ञान गुण सागर'। लेजर लाइट्स के बीच हनुमान चालीसा की धुन फैल जाती है। 3डी विजुअल्स में हनुमान जी मानो जीवित होकर सामने आ खड़े होते हैं। बच्चे आश्चर्य से ताली बजाते हैं, बुजुर्ग आंखें मूंदकर भक्ति में डूब जाते हैं। चंद पलों में पूरा परिसर 'जय श्रीराम' नाम से गूंज उठता है।

यही इस मंदिर की सबसे बड़ी खूबी है- यह केवल पूजा नहीं, बल्कि अनुभव की जगह है। यहां आकर लगता है कि परंपरा और तकनीक ने हाथ मिलाकर भक्ति का नया रूप गढ़ा है। ... और जब रात ढलते ही सैकड़ों कंठ एक साथ 'जय श्रीराम' का उद्घोष करते हैं, तो लगता है जैसे विजयनगरम की यह धरती भी अयोध्या की तरह राममय हो गई हो।

न्यूज विंडो

भीलवाड़ा में मंदिर से चांदी के गहने चुराने के दो दिन बाद लौटाए



भीलवाड़ा। मांडल कस्बे की मोहन कॉलोनी स्थित सांवरिया सेठ मंदिर से चुराए गए करीब दो लाख रुपये मूल्य के चांदी के आभूषण चोर दो दिन बाद वापस लौटा गया। आरोपी मंदिर परिसर में चोरी किए गए गहनों की पोटली फेंकने के साथ ही 201 रुपये का लिफाफा भी छोड़ गया। वारदात के बाद से मंदिर प्रबंधन और श्रद्धालुओं में गहरा आक्रोश व्याप्त था। आरोपी मोटरसाइकिल पर आया और उसने मंदिर के पीछे वाली गली में अपना वाहन खराब होने का बहाना बनाया। उस समय मंदिर का मुख्य द्वार बंद था और उस पर ताला लगा हुआ था। आरोपी ने गहनों से भरी पोटली को मंदिर परिसर के भीतर उछालकर फेंक दिया और वहां से चला गया। शाम करीब पांच बजे जब मंदिर के पुजारी पहुंचे तो उन्हें परिसर में पोटली पड़ी मिली। पोटली खोलने पर उसमें मंगलवार को चोरी गया भगवान का चांदी का मुकुट, बांसुरी, हाथों के आठ कड़े और पैरों के दो कड़े पूरी तरह सुरक्षित पाए गए। इसके साथ ही पोटली में

अभिषेक चौधरी बने राजस्थान युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान युवा कांग्रेस को नया प्रदेशाध्यक्ष मिल गया है। प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव में सबसे ज्यादा वोट हासिल करने वाले



अभिषेक चौधरी को प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, दूसरे स्थान पर रहे अनिल चोपड़ा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और तीसरे स्थान पर रहे राजकुमार परसवाल को उपाध्यक्ष बनाया गया है। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब ने नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। इस बार संगठन में किसी को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी नहीं दी गई है। खास बात यह है कि इस बार प्रदेशाध्यक्ष की नियुक्ति के लिए साक्षात्कार की प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। चुनाव में मिले वोटों के आधार पर ही नियुक्तियां कर दी गईं। इससे पहले युवा कांग्रेस में प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए चयन से पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता और युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय पदाधिकारी उम्मीदवारों का वन-टू-वन साक्षात्कार लेते थे। इस प्रक्रिया में राहुल गांधी और युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा सहित अन्य नेता शामिल होते रहे हैं।

फीस नहीं भर पाने के कारण 10वीं की छात्रा का नाम स्कूल से काटा

भिवानी (हरियाणा)। भिवानी के एक निजी स्कूल में पांच माह की फीस बकाया होने पर दसवीं कक्षा की 15 वर्षीय छात्रा का नाम काट दिया गया है। छात्रा के पिता ने उपायुक्त और समाधान शिविर में शिकायत देकर बेटी को दोबारा स्कूल में दाखिला दिलाने और स्कूल प्रबंधन व प्राचार्य के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। दिनोद रोड स्थित शास्त्री नगर कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने शिकायत में बताया कि उसकी बेटी निजी स्कूल में दसवीं कक्षा की छात्रा है। वह खुद भी 23 जून 2025 से 30 मई 2026 तक इसी विद्यालय में सुरक्षा गार्ड के पद पर कार्यरत था। विद्यालय की स्टाफ नीति के तहत उससे 9460 रुपये जमा करवाए गए थे जबकि शेष फीस माफ कर दी गई थी।

दिल्ली-एनसीआर इलाके में वायु प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान

सीजेआई का तंज... उम्मीद है आप सभी दिल्ली के मौसम का आनंद ले रहे होंगे

नई दिल्ली। एजेंसी

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ रहा वायु प्रदूषण लोगों की चिंताए बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण के कारण लोगों को खांसी समेत कई तरह की समस्याएं हो रही हैं। इस दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई हुई है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने बड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली के मौसम का आनंद ले रहे होंगे। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान वकील अपराजिता सिंह ने बताया कि 5 नवंबर को दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान करीब 14 फीसदी था। उन्होंने कहा कि दिल्ली पहले से ही प्रदूषित है और पराली जलाने से हालात और बिगड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह ट्रांसपोर्ट है। इसलिए स्थानीय स्तर पर होने वाले प्रदूषण और पराली जलाने, दोनों पर काम करने की जरूरत है। सुनवाई के दौरान दलीलों को सुनने के बाद सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि यह वह समय है जब किसान अगली फसल की बुवाई करते हैं। ऐसे में पराली जलाने की घटनाएं अब तक रुक जानी चाहिए थीं।



'हालात ऐसे जैसे रोज 30 सिगरेट पी रहे हों'

सुप्रीम कोर्ट में प्रदूषण के मामले पर हो रही सुनवाई के दौरान एमिकस वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर अब भी बेहद खराब स्थिति में है। उन्होंने कहा, हालात ऐसे हैं जैसे रोजाना 30 सिगरेट पी रहे हों। प्रदूषण के कारण हमारी आवाज तक खराब हो रही है। सीजेआई ने कहा कि बारिश होने की वजह से प्रदूषण का स्तर कुछ कम हुआ है।

'किसानों के पास मशीन चलाने के लिए ईंधन के पैसे नहीं होते'

वकील अपराजिता सिंह ने कहा कि किसानों को पराली हटाने के लिए मशीनें तो दी जाती हैं, लेकिन उनके पास मशीन चलाने के लिए ईंधन खरीदने के पैसे नहीं होते। उन्होंने कहा कि इस साल ईंधन की कीमतों के बारे में किसी को कुछ बताने की जरूरत नहीं है। इसके अलावा, ये मशीनें छोटे खेतों में ठीक से काम नहीं करतीं। इस पर जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि एक तय कीमत पर किसानों से पराली खरीदने का प्रस्ताव भी दिया था। एएसजी ने कोर्ट को बताया कि इस दिशा में कई अहम कदम उठाए गए हैं। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि पराली खरीदने की कीमत पहले से तय करके बताई जानी चाहिए। मशीनें ग्राम पंचायतों को दी जानी चाहिए, क्योंकि अलग-अलग किसान इन्हें खरीदने का खर्च नहीं उठा सकते। मशीन की कीमत भी काफी ज्यादा होती है। ग्राम पंचायत के जरिए इन मशीनों का बेहतर इस्तेमाल हो सकता है। बता दें कि बीते कुछ दिनों से पराली जलाने की घटनाएं भी बढ़ी हैं। किसानों के बीच जागरूकता फैलाने की जरूरत सीजेआई ने कहा कि पराली को लेकर लगातार बयान दिए जाते हैं, लेकिन किसानों के बीच जागरूकता फैलाने की जरूरत है। किसानों को यह समझाना होगा कि पराली जलाने के बजाय उसे अपने पास रखने में भी आर्थिक फायदा है।

पीएम पद के लिए आइजेनकोट को मिला 67 सांसदों का समर्थन

सरकार गठन पर अभी भी फंसा पेच

यरुशलम। एजेंसी

इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने कहा कि वह रविवार को यह घोषणा करेंगे कि नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी किसे सौंपी जाएगी। यह फैसला विपक्ष के गादी आइसेनकोट को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की जगह लेने के लिए बड़ी संख्या में समर्थन मिलने के बाद लिया गया है। 27 अक्टूबर के चुनाव के बाद, गुरुवार को हर्जोग ने राजनीतिक दलों के साथ दूसरे दिन भी बातचीत की। इस चुनाव में न तो नेतन्याहू और न ही आइसेनकोट बहुमत के लिए जरूरी वोट हासिल कर पाए हैं। अब हर्जोग फैसला लेंगे, लेकिन परंपरा के अनुसार जनादेश उस व्यक्ति को दिया जाता है जिसे संसद के ज्यादा सदस्यों का समर्थन प्राप्त हो। 67 सदस्यों ने आइसेनकोट को चुना, 46 ने नेतन्याहू के पक्ष में राय दी, जबकि सात सदस्यों ने कोई विकल्प नहीं चुना।

हर्जोग ने कहा, 'परामर्श के नतीजे भले ही स्पष्ट लगें, लेकिन कानून के तहत मुझे यह तय करने का अधिकार है कि सरकार बनाने



की क्षमता किसमें है। गुटों के बीच और खुद गुटों के भीतर एक-दूसरे के फैसलों को रोकने (वीटो करने) की स्थिति को देखते हुए, यह बात पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। '

आइसेनकोट की यशार पार्टी ने गुरुवार को कहा कि इजरायल के नागरिकों ने बदलाव को चुना है और निवर्तमान प्रधानमंत्री नेतन्याहू तथा उनकी सरकार में अपना पूरा अविश्वास जताया है। साथ ही, पार्टी ने तत्काल एक राष्ट्रीय आपातकालीन सरकार के गठन की मांग की, जो इजरायल के सभी नागरिकों के लिए काम करना शुरू करे। चुनाव में दो अरब पार्टियों ने रिकॉर्ड 19 सीटें जीती हैं। अगर आइसेनकोट का विपक्ष उनके साथ मिलकर काम करने का फैसला करता है तो वे किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं, हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसा होगा या नहीं।

पटना में 3 शूटर देर, 20 मिनट चली मुठभेड़, पुलिस पर 24 राउंड फायरिंग

एसएचओ भी जख्मी; अस्पताल में परिजनों का हंगामा

पटना। एजेंसी

पटना में आज पुलिस ने 3 अपराधियों का एनकाउंटर कर दिया। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया, सुबह करीब 4.30 बजे हुई मुठभेड़ में अपराधियों ने पुलिस पर 24 राउंड फायरिंग की। जवाबी फायरिंग में राजेश शर्मा, बबलू कुमार, जेपी यादव घायल हो गए। अस्पताल पहुंचने से पहले तीनों की मौत हो गई।पुलिस के मुताबिक, तीनों पेशेवर शूटर थे और सुपारी लेकर मर्डर करते थे।करीब 20 मिनट तक दोनों ओर से गोलीबारी हुई। जवाब में पुलिस की ओर से 18 राउंड गोलियां चलाई गईं। मुठभेड़ में मनेर थाना के एसएचओ रजनीश कुमार भी जख्मी हुए हैं। उनके हाथ में गोली लगी है। उन्हें अस्पताल भेजा गया है। घटना मनेर थाना क्षेत्र के शेरपुर गंगा घाट के पास की है। मौके से एक देशी पिस्टल, दो देशी कट्टा बरामद हुआ है। तीनों शव के दानापुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचते ही परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। परिवार का आरोप है कि जिस पैक्स अध्यक्ष की हत्या के आरोप में पुलिस ने एनकाउंटर किया, उसमें इनका नाम भी नहीं था। परिजनों का हंगामा जारी है। कई बार परिजन पुलिस की हाथापाई हुई।

रेवाड़ी मनोज हत्याकांड: पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो आरोपियों के पैर में लगी गोली

रेवाड़ी (हरियाणा)। गांव गोकलगढ़ में मनोज उर्फ गोलू हत्याकांड के बाद फरार चल रहे दो मुख्य आरोपियों को रेवाड़ी पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी बावल सज्जन सिंह ने रात करीब 1:50 बजे सीआईए रेवाड़ी और सीआईए धारूहेड़ा की संयुक्त टीम ने गोकलगढ़ बाईपास स्थित रेलवे फ्लाईओवर के नीचे आरोपियों की घेराबंदी की। आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर करीब पांच राउंड फायर किए। जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी। घायल अवस्था में पुलिस ने उन्हें मौके पर ही काबू कर लिया। फायरिंग के दौरान एक गोली एएसआई सुनील कुमार की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी, जबकि दो गोलियां निरीक्षकों के कान के पास से निकल गईं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल और एक देशी कट्टा बरामद किया है।

झोटा हत्याकांड: सतनाम वाहेगुरु के जाप के साथ पीजीआई भेजा गया शव

मानसा। एजेंसी

मानसा के नशा विरोधी एक्टिविस्ट परविंदर सिंह झोटा का आज चंडीगढ़ स्थित पीजीआई में पोस्टमार्टम होगा। गुरुवार आधी रात करीब 12 बजे उनके शव को एंबुलेंस के जरिए चंडीगढ़ रवाना किया गया। 'सतनाम वाहेगुरु' का जाप करते हुए उनके शव को अस्पताल की मोर्चरी से बाहर निकाला गया। इसके बाद आधुनिक सुविधाओं से लैस आईसीयू, वेंटिलेटर और फ्रीजर वाली एंबुलेंस में शव को रखकर चंडीगढ़ पीजीआई भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को मानसा लाने और अंतिम संस्कार को लेकर आगे की प्रक्रिया की जाएगी।

परविंदर सिंह झोटा को इंसाफ



दिलाने के लिए चल रहे संघर्ष के 23वें दिन पंजाब सरकार और एक्शन कमेटी के बीच सहमति बनी थी। परिवार को 2 करोड़ रुपये मुआवजा और नौकरी देने का भरोसा दिया गया। दलजीत सिंह भम्मे के परिवार को भी नौकरी और मुआवजा देने का भरोसा दिया गया है। धरने के 24वें दिन गुरुवार को इरादतन हत्या के मामले में गिरफ्तार लक्खा सिधाना और मोहनजीत शेरो को नाभा जेल से रिहा कर दिया गया।

मेट्रो एंकर अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका 'ऑरिक्स' ने लाहौल स्पीति के माहौल पर की रिसर्च में बताया

पट्टन घाटी के ऊंचे जंगल, दुर्लभ कश्मीरी कस्तूरी मृग के लिए सुरक्षित

शिमला। एजेंसी

लाहौल-स्पीति की पट्टन घाटी के ऊंचाई वाले जंगल संकटग्रस्त कश्मीर कस्तूरी मृग के लिए महत्वपूर्ण प्राकृतिक आवास साबित हुए हैं। यहां 2,946 से 4,418 मीटर की ऊंचाई पर स्थित शंकुधारी वनों में इस दुर्लभ वन्यजीव की मौजूदगी दर्ज की गई है। इनमें चीड़, देवदार, स्प्रूस, फर और भोजपत्र जैसी प्रजातियों के जंगल शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका 'ऑरिक्स' में हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं ने हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले की पट्टन घाटी के अलावा उत्तराखंड के गोविंद पशु विहार राष्ट्रीय उद्यान में कश्मीर कस्तूरी मृग के आवास और उसकी दिनचर्या का अध्ययन किया। शोध में सामने आया कि दोनों क्षेत्रों में कस्तूरी मृग की वन आवासों को लेकर पसंद अलग-अलग है। पट्टन घाटी में शंकुधारी वन और अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र इसके लिए अनुकूल पाए गए, जबकि गोविंद पशु विहार में मिश्रित वन इसका पसंदीदा आवास हैं। यह अध्ययन भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून और स्विट्जरलैंड के स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट फॉर फॉरेस्ट, स्नो एंड लैंडस्केप रिसर्च से जुड़े विशेषज्ञों अमीरा शरीफ, विनीत कुमार, हेमंत सिंह, भीम दत्त जोशी, चिन्नासामी रमेश, कैथरीन ग्राहम, मुकेश ठाकुर और ललित कुमार शर्मा ने संयुक्त रूप से किया है। अध्ययन के लिए दोनों क्षेत्रों में सर्वेक्षण किया गया।

इसके तहत पट्टन घाटी में 43 और गोविंद पशु विहार में 23 कैमरा ट्रैप लगाए गए। इसके अलावा पट्टन घाटी में 54 और गोविंद पशु विहार में 43 वन्यजीव सर्वेक्षण मार्गों का निरीक्षण किया गया। अध्ययन के दौरान पट्टन घाटी में कस्तूरी मृग की मौजूदगी के 85 प्रमाण मिले, जबकि गोविंद पशु विहार में 37 प्रमाण दर्ज किए गए। इनमें खुरों के निशान जैसे कई संकेत शामिल थे। कैमरा ट्रैप में पट्टन घाटी में कस्तूरी मृग की 53 स्वतंत्र तस्वीरें मिलीं, जबकि गोविंद पशु विहार में आठ बार इसकी मौजूदगी दर्ज हुई। शोधकर्ताओं के मुताबिक पट्टन घाटी में कस्तूरी मृग की मौजूदगी अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिलने की संभावना ज्यादा है। वहीं, गोविंद पशु विहार में भोजपत्र, बांज, फर और अन्य पेड़ों वाले मिश्रित वन इनके लिए महत्वपूर्ण पाए गए।



कश्मीर कस्तूरी मृग संकटग्रस्त श्रेणी में

कश्मीर कस्तूरी मृग को अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट में संकटग्रस्त श्रेणी में रखा गया है। इसके अस्तित्व पर सबसे बड़ा खतरा कस्तूरी की थैली के लिए होने वाला अवैध शिकार और प्राकृतिक आवास का नुकसान है। कस्तूरी का इस्तेमाल इत्र, औषधियों और धार्मिक कार्यों में किया जाता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524